आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक-01 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 जुलाई 2025 गुरुवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-5

# हेमंत की ताजपोशी में भी सुरेश सोनी की अहम भूमिका

आखिरकार छह महीने से चल रहे रहस्य के पर्दा उठ गया कि मध्यप्रदेश भाजपा का अध्यक्ष कौन होगा? पार्टी आलाकमान ने हेमंत खंडेलवाल का भाजपा संगठन का मुखिया बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल से यही फार्मूला चल रहा है कि पार्टी अध्यक्ष वो हो जो सत्ता से टकराव की बात सपने में भी नहीं सोचे। शायद इसी के चलते नरोत्तम मिश्रा का पत्ता कट गया और विवादों से परे रहने वाले हेमंत की ताजपोशी करके भाजपा ने यह संदेश भी दे दिया कि वह पिछड़ा वर्ग के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ उच्च वर्ग को भी साथ लेकर चलते हैं। इसी सूत्र के चलते वीडी शर्मा पूरे पांच साल तक अध्यक्ष पद की कमान संभाले रहे फिर चाहे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हों या मोहन यादव। नरोत्तम को शायद किसी और दायित्व के लिए प्रतीक्षा करना पड़ सकती है। इसे संयोग कहें या सियासत का तकाजा माने , मोहन यादव से लेकर हेमंत खंडेलवाल को लेकर परदे के पीछे से राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के बड़े पदाधिकारी सुरेश सोनी की अहम भूमिका रही।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

यूं तो देखा जाए तो स्व. कैलाश जोशी, स्व. सुंदरलाल पटवा और मप्र विधानसभा के मौजूदा अध्यक्ष पार्टी संविधान के मुताबिक दो बार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की तरह विष्णुदत्त शर्मा दो कार्यकाल पूरा करने के बाद भी एक साल से ज्यादा प्रदेशाध्यक्ष रह लिए। 2020 में उनके आने के चंद दिनों के भीतर कांग्रेस में बड़ी बगावत हुई और भाजपा ने आपरेशन लोटस के तहत या कमलनाथ की मध्यप्रदेश की कांग्रेस की राजनीति से नासमझी के चलते कांग्रेस के हाथों से सत्ता खिसक गई। तब वीडी शर्मा को भाजपा के शुभंकर जैसे अलंकारों से नवाजा गया। वीडी शर्मा ने शिवराज और मोहन यादव के साथ उसी तालमेल के साथ काम किया जैसा कि मोदी के प्रधानमंत्री रहते अमित शाह या जेपी नड्डा अभी तक करते आए हैं। हेमंत खंडेलवाल भी उसी फितरत के नेता हैं और यह भी साफ है कि दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान ऐसे ही किसी नेता को मिलेगी जो नरेंद्र मोदी से असहमति का भाव नहीं रखता हो। यह भी मुमकिन है कि बिहार चुनाव तक नड्डा का कार्यकाल बड़ा भी दिया जाए, क्योंकि वे भले ही हिमाचल प्रदेश में जन्में हों लेकिन पटना में शिक्षा प्राप्त करने और भारतीय युवा मोर्चा के कार्यरर्ता से उसके राष्ट्रीय दायित्व को

संभालते हुए बिहार भाजपा की सियासत की रग-रग से वाकिफ हैं।

पिता की राजनीतिक विरासत को हेमंत खंडेलवाल अपने दामन में समेटे हैं। हेमंत को मैं तब से जानता हूं जब मैं आउटलुक पत्रिका के लिए काम कर रहा था। विजय खंडेलवालजी अध्ययनशील नेता भी थे। उन्होंने कई बार मेरे लेखों को लेकर खुद फोन करके या मुलाकात होने पर खुलकर तारीफ करते थे। एक बार मुझे तत्कालीन मंत्री उमाशंकर गुप्ता के साथ बैतूल जाने का मौका मिला तो सांसद विजय खंडेलवाल के साथ हेमंतजी के साथ दोपहर भोज और उस दौरान बातचीत का अवसर मिला। स्व. विजय खंडेलवाल अपने मृदुभाषी और संजीदा मिजाज के चलते भाजपा कार्यकर्ताओं से लेकर आम लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। मुझे तब लगा कि विजयजी जितने मिलनसार हैं उस मिलनसारिता के गुण हेमंत में भी हैं। भाजपा के नए नवेले प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से उम्मीद करता हूं कि चार बार सांसद रहे अपने पिता से मिले विरासत के गुणों को अध्यक्ष पद का गुमान उनके मूल पिंड से दूर नहीं करेगा।

2008 में जब विजय जी का आकस्मिक निधन हुआ तो लोकसभा के उपचुनाव में हेमंत खंडेलवाल को ही पार्टी ने मौका दिया और छह महीने ही सही बैतूल से सांसद रहे। लोकसभा के परिसीमन के बाद जब बैतूल आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित हो गई तो हेमंत को संसदीय राजनीति में लौटने में तोड़ा वक्त लगा। लेकिन 2010 में वे बैतूल भाजपा के अध्यक्ष बन गए और ज्योति धुर्वे 2009 में सांसद बन गईं। लेकिन 2013 में हेमंत बैतूल विधानसभा सीट से चुनाव जीते। 2018 में कांग्रेस के निलय डागा के हाथों हारे लेकिन 2023 में वह फिर विधायक बन गए। अपने पिता की तरह वे भी प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उनके मुख्यमंत्री रहते हुए सूबे में सीएम राईज स्कूल की योजना हेमंत के दिमाग की ही उपज थी। सत्ता से तालमेल का फार्मूला सुझाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि पार्टी तब आगे बढ़ती है जब पार्टी के लोग 'मैं ' और 'तुम ' के भाव के ऊपर आकर 'हम ' का भाव मन में रखते हैं। । यादव ने कहा कि हेमंत में यह माद्दा है। सच कहा जाए तो 3 सितंबर1964 को मथुरा में जन्मे मारवाड़ी परिवार के हेमंत ने बैतूल के विकास में जोर लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। उम्मीद की जाना चाहिए कि अध्यक्ष रहते हुए वे कार्यकर्ता और सत्ता के बीच सेतु बनकर काम करते रहेंगे और पार्टी के लिए शुभंकर साबित होंगे।

## 38 दिनी यात्रा शुरू, अमरनाथ की पहली आरती हुई

जम्मू। आज से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। गुरुवार सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती भी की गई।

वहीं, पहला जत्था बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से रवाना अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। इस दौरान श्रद्धालु 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारे लगे। कल 5,892 श्रद्धालुओं का जम्मू के भगवती नगर कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रवाना किया था। ये लोग दोपहर में कश्मीर पहुंचे। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल रूट से होगी, समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

## पाकिस्तानी स्टार्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स फिर बैन

**नई दिल्ली एजेंसी।** पाकिस्तानी स्टार्स के इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भारत में एक बार फिर बैन लगा दिया गया है। हाल ही फवाद खान, माहिरा खान, मावरा होकेन और हानिया आमिर समेत कई पाक सेलेब्स के इंस्टाग्राम अकाउंट देश में एक्टिव नजर आने लगे थे लेकिन अब सरकार ने 24 घंटे में ही इन्हें फिर बैन कर दिया। भारत सरकार ने सभी पाक कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद बैन लगा दिया था। बावजूद पाकिस्तान के कुछ यूट्यूब चैनल अकाउंट्स, न्यूज चैनल्स और सेलेब्स के इंस्टा अकाउंट्स भारत में दिखने लगे थे। हालांकि सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

## पीएम मोदी को घाना का सर्वोच्च सम्मान

**नई दिल्ली एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घाना का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। इसके अलावा दोनों देशों ने 4 अलग-अलग समझौते साइन किए हैं। इनमें घाना को फिनटेक में सहयोग, यूपीआई के जरिए डिजिटल लेन-देन का एक्सपीरियंस शेयर,घाना आर्मी की ट्रेनिंग, समुद्री सुरक्षा, डिफेंस सप्लाई और साइबर सिक्योरिटी में मिलकर काम करना शामिल है। मोदी ने कहा- घाना से सम्मानित होना मेरे के लिए गर्व की बात है।

## बैजबॉल का भूत: टीम इंडिया पर पहली हार का असर

**आलोक गोस्वामी।** भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में लीड्स में 5 विकेट से हार के बाद अब बर्मिंघम में जारी दूसरे मैच में इंग्लैंड टीम ने बैजबॉल तकनीक के तहत आखिरी पारी में चेस का फैसला किया है। एक दिन का खेल खत्म होने के बाद टीम इंडिया बेहतर स्थिति में नजर आ रही है लेकिन पहले टेस्ट में शिकस्त का असर साफ दिख रहा है। इंग्लैड ने विनिंग कॉम्बिनेशन में कोई छेड़खानी नहीं की, तो टीम इंडिया ने 3 फेरबदल कर डाले। बुमराह,शार्दूल व सुदर्शन की जगह आकाशदीप,रेड्डी और सुंदर को मौका दिया, जबकि चयन के लिए उपलब्ध होने के बावजूद बुमराह को शामिल नही करने का फैसला अटपटा है। रेड्डी ओर सुंदर को मौका, टीम मैनेजमेंट का अति सुरक्षात्मक रवैया दर्शा रहा है। पहले मैच में शिकस्त के बाद तमाम दिग्गज टीम चयन से नाराज हैं। लिहाजा मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट मैच की एकादश में ऐसा बड़ा फेरबदल रचा। हेडिंग्ले टेस्ट मे गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन से ज्यादा घटिया फील्डिंग की वजह से टीम हार का सामना करना पड़ा। हालांकि कुलदीप यादव को मौका न देना साबित करता है कि टीम इंडिया के दिमाग में इस मैच में भी इंग्लैंड की बैजबॉल का भूत हावी है।

### अमेरिका के लिए डेयरी-कृषि क्षेत्र खोलने का मामला, बढ़ी उलझन

# ट्रेड डीलः कृषिक्षेत्र को लेकर सरकार अड़ी, अब अगले 48 घंटे बेहद अहम

**नई दिल्ली/वाशिंगटन एजेंसी**

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता होने वाला है और इसे लेकर अगले 48 घंटों में बड़ा ऐलान संभव है। इस ट्रेड डील को अंतिम चरण में माना जा रहा है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लागू पारस्परिक टैरिफ पर रोक की डेडलाइन 9 जुलाई को खत्म हो रही है और उससे पहले दोनों देशों के बीच इस ट्रेड डील पर मुहर लगनी है। कहा जा रहा है कि भारत कृषि और डेयरी क्षेत्रों को अमेरिका के लिए पूरी तरह से न खोलने के अपने रुख पर अड़ा हुआ है, इसके साथ ही भारत की ओर से श्रम प्रधान उद्योगों तक अधिक पहुंच की मांग भी की गई है। वहीं अमेरिका चाहता है कि भारत अपने एग्रीकल्चर और डेयरी मार्केट को यूएस के लिए खोल दे, जिससे कि इस सेक्टर से जुड़े अमेरिकी प्रोडक्ट्स को भारत जैसा बड़ा बाजार मिल सके। हालांकि, मोदी सरकार अमेरिका की ओर से की जा रही इस मांग के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है। भारत कुछ अमेरिकी एग्री प्रोडक्ट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है और अमेरिका इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो भारतीय किसानों को नुकसान होगा और उन्हें उपज की सही कीमत नहीं मिल पाएगी।

इस गतिरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बयान अहम हो गया है। वे कह रहे हैं दोनों देशों में जल्द ही एक व्यापार समझौता होने जा रहा है, जिसमें काफी कम टैरिफ (शुल्क) होंगे, जिससे दोनों देशों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह एक अलग तरह का समझौता होगा। यह ऐसा समझौता होगा, जिसमें हम वहां जाकर प्रतिस्पर्धा कर

सकेंगे। फिलहाल, भारत किसी को भी अंदर नहीं घुसने देता। मुझे लगता है कि भारत अब ऐसा करेगा और अगर ऐसा हुआ तो हमारा कम टैरिफ वाला समझौता हो जाएगा। इधर भारत के अधिकारी वाशिंगटन में मौजूद हैं और स्थितियो को पक्ष में करने में जुटे हैं दरअसल यदि 9 जुलाई तक कोई समझौता नहीं होता, तो दोनों देशों के बीच निलंबित 26 फीसद रिटैलिएट्री टैरिफ स्वतः लागू हो जाएंगे।

## आपातकाल पर महिला संसद

**भोपाल।** भाजपा की महिला नेता आज प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और पूरी केन्द्रीय कैबिनेट के सदस्यों की भूमिका में नजर आईं और इस 'महिला संसद' ने आपातकाल के कड़वे अनुभवों को साझा किया। दरअसल आज भोपाल में पीपुल्स मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में भाजपा महिला मोर्चा ने पचास साल पहले लागू किये आपातकाल पर इस महिला संसद का आयोजन किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी संबोधित किया और कांग्रेस सरकार के फैसलों और नीतियों की कडी आलोचना की। उल्लेखनीय है कि इंदिरा सरकार द्वारा साल 1975 में लगाए गए आपातकाल को 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इमरजेंसी की अर्द्ध शताब्दी पर भाजपा इसे देशभर में 'संविधान हत्या दिवस' के तौर पर मना रही है। इस मॉक पार्लियामेंट में मप्र सरकार की महिला मंत्री, विधायक और महिला सांसद भी शामिल हुई। केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी इस महिला संसद में मौजूद रहीं। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा भी इस मॉक पार्लियामेंट में मौजूद रहे।

## भारी बारिशः लैंडस्लाइड में फंसे पर्यटक, हिमाचल में 11 की मौतें

**नई दिल्ली/भोपाल।** मौसम विभाग ने आज मध्यप्रदेश व राजस्थान समेत 11 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दोनों राज्यों में कई दिन से तेज बारिश का दौर है। अजमेर शरीफ दरगाह परिसर में तो 2 फीट तक पानी भर गया। उधर उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर देर रात सोनप्रयाग के पास लैंडस्लाइड से रास्ता बंद हो गया। इस दौरान 40 श्रद्धालु फंस गए तो एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। हिमाचल के मंडी जिले में बादल फटने और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अब भी 34 लोग लापता हैं। अभी भी खराब मौसम के चलते राहत कार्य में दिक्कत आ सकती है क्योंकि मौसम विभाग ने कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। इधर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सी-फ्लड नामक वेब-आधारित फ्लड फोरकास्टिंग सिस्टम शुरू किया। यह बाढ़ आने से दो दिन पहले गांवों को अलार्म बजाकर अलर्ट कर सकता है।

### मप्र के 17 जिलों में आज अलर्ट

मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, सागर, रीवा और शहडोल संभाग के 17 जिलों में गुरुवार को अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है। ग्वालियर-चंबल संभाग के 4 जिले भी भीगेंगे। स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से ऐसा होगा। भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत अन्य जिलों में भी बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, जिन जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट है, उनमें पन्ना, दमोह, मैहर और कटनी शामिल हैं। यहां 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिर सकता है।

**मेट्रो एंकर** | वैज्ञानिक भी हैरत में, इसी महीने बन सकता है यह रिकॉर्ड

# धरती ने तेज की धुरी पर घूमने की रफ्तार, 24 घंटे से कम का दिन आने वाला है पहली बार

**वॉशिंगटन।, एजेंसी**

यदि दुनिया आने वाले कुछ दिनों में धरती के इतिहास के सबसे छोटे दिन का अनुभव करे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। क्योंकि खगोल भौतिकीविदों ने अपनी एक रिसर्च के आधार पर पाया है कि पृथ्वी की घूर्णन गति बीते पांच साल से बढ़ रही है। यानि 2020 से पृथ्वी अपनी धुरी पर सामान्य से अधिक तेजी से घूम रही है, इसकी वजह से हम इतिहास के सबसे छोटा दिन अनुभव कर सकते हैं। यह दिन 24 घंटे से कम का होगा और यह इसी महीने यानी जुलाई या फिर अगस्त में आ सकता है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक खगोल भौतिकीविद् ग्राहम जोन्स ने सबसे छोटे दिन की तीन तारीख बताई हैं। यह इस साल 9 जुलाई या 22 जुलाई या फिर अगले महीने अगस्त की 5 तारीख को हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा

की कक्षा से पृथ्वी पर प्रभाव की वजह से ऐसा होगा। यह दिन सामान्य दिन से 1.66 मिलीसेकंड से ज्यादा छोटा होगा। एक सौर दिन ठीक 86,400 सेकंड यानी 24 घंटे तक चलना चाहिए लेकिन पृथ्वी की धुरी पर घूमना पूरी तरह से स्थिर नहीं रहा है। रिसर्च बताती हैं कि 2020 में किसी अज्ञात कारण से हमारा ग्रह तेजी से घूमने लगा। 2021 में एक दिन दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.47 मिलीसेकंड कम था। 2022 में यह 1.59 मिलीसेकंड कम हो गया और फिर 5 जुलाई, 2024 को रेकॉर्ड बना, जब दिन सामान्य 24 घंटों से 1.66 मिलीसेकंड कम रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि 2025 में 9 और 22 जलाई या 5 अगस्त, वह अनुमानित तारीख हैं, जब चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी के भूमध्य रेखा से सबसे दूर रखती है। यह पृथ्वी प्रभावित करती है और दिन 24 घंटे से कम का हो जाता है। रिसर्च कहती है कि चंद्रमा अरबों वर्षों से पृथ्वी के घूमने की गति को धीमा कर रहा है। 4.5 अरब साल पहले पृथ्वी पर एक दिन तीन से छह घंटे तक चल सकता था लेकिन चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव ने पृथ्वी पर दिन की लंबाई 24 घंटे की है।

### तो यह भी हो सकता है..!

**दिन के कुछ मिलीसेकंड कम होने का सामान्य जनजीवन पर कोई फर्क नहीं होता है लेकिन तकनीक और दूरसंचार की दुनिया में यह मायने रखता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रही तो करीब 50 अरब वर्षों में पृथ्वी का घूर्णन चंद्रमा की कक्षा के साथ तालमेल बिठा लेगा। तब हमेशा चंद्रमा का एक ही पक्ष दिखाई देगा यानी यह ग्रह के केवल आधे हिस्से पर दिखाई देगा। हालांकि तब तक धरती पर और भी कई बदलाव आ चुके होंगे।**

## बारिश ने बिगाड़ी सूरत

राजधानी में जोरदार बरसात से शहर की सूरत बिगाड दी है। सडके जलमग्न हैं और निचली बस्तियों में पानी भरा हुआ है। हालांकि इससे बड़ा तालाब में पानी का स्तर करीब छह इंच तक बढ़ गया है। लेकिन इस बारिश की वजह से सड़क पर पानी भरने से गाड़ियां रेंगती हुई चल रही है। वहीं सीवेज सिस्टम की पोल भी खुल गई है।

### मध्य भारत में अपनी तरह का पहला ऑपरेशन

# एम्स में *जबड़ा प्रत्यारोपण सर्जरी*, पहले कंप्यूटर पर हुई वचुअल सर्जिकल प्लानिंग

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स ने पहली कृत्रिम जबड़ा प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक करके नया इतिहास रचा है। इस सर्जरी में एक खास तरह के कंप्यूटर से बने टाइटेनियम इम्प्लांट का इस्तेमाल किया गया, जिसने एक 62 वर्षीय महिला को नया जीवन दे दिया है। बताया जाता है कि सर्जरी पूरी तरह से कंप्यूटर की मदद से प्लान की गई थी, जो मरीजों के लिए बेहतर और सटीक सर्जरी की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। सर्जरी के बाद महिला मरीज की हालत में तेजी से सुधार देखा गया है। वह बिना परेशानी के बोल पा रही हैं और भोजन भी कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि एम्स भोपाल कम चीर-फाड़ वाली और तकनीक-सक्षम इलाज के लिए

लगातार काम कर रहा है, जिससे न केवल सर्जरी सटीक हो, बल्कि मरीज भी जल्दी ठीक हो सकें। जानकारी के मुताबिक यह जटिल सर्जरी मंदसौर की रहने वाली महिला पर की गई। महिला लंबे समय से जबड़े के गंभीर दर्द, चेहरे की बनावट में बदलाव और खाने-पीने व बोलने में बहुत ज्यादा परेशानी से जूझ रही थीं। इससे पहले उन्होंने एक निजी अस्पताल में दो बार पारंपरिक टाइटेनियम प्लेट्स से जबड़े का रिकंस्ट्रक्शन कराया लेकिन दोनों बार प्लेट्स टूट गईं और सर्जरी सफल नहीं हो पाई। कई अस्पतालों में सलाह लेने के बाद भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली, तब उन्होंने एम्स भोपाल के ट्रामा विभाग से संपर्क किया। फिर डॉ. बीएल सोनी (मैक्सिलोफेशियल सर्जन) के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक खास टीम ने मरीज की स्थिति का गहराई से अध्ययन किया और एक नया खास समाधान ढूंढा। इस प्रक्रिया में वर्चुअल सर्जिकल प्लानिंग अर्थात कंप्यूटर पर सर्जरी की योजना बनाना और सटीक मिलिंग तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है कि सोनी को कंप्यूटर की मदद से चेहरे के पुनर्निर्माण का दस साल से ज़्यादा का अनुभव है, उन्होंने मरीज की मेडिकल इमेजिंग और अस्पताल के ही साफ्टवेयर की मदद से इस इम्प्लांट को डिज़ाइन किया। एम्स निदेशक डा अजय सिंह ने कहा है कि यह केस हमारी नई सोच और मरीज-केंद्रित देखभाल की मज़बूत प्रतिबद्धता को दिखाता है। अब मध्यप्रदेश के जिन मरीजों को पहले ऐसी जटिल सर्जरी के लिए राज्य से बाहर बड़े अस्पतालों में जाना पड़ता था, वे यहां उपचार प्राप्त कर सकेंगे।

### टाइटेनियम ब्लाक से तैयार इम्प्लांट

जानकारी के मुताबिक यह इम्प्लांट एक ठोस टाइटेनियम ब्लाक से बनाया गया, जो पारंपरिक 3डी प्रिंटेड इम्प्लांट्स से ज्यादा मजबूत और लंबे समय तक चलने वाला है। डा. सोनी का कहना है कि यह इम्प्लांट सही तरीके से बैठे, यह सुनिश्चित करने के लिए मरीज के जबड़े का 3डी प्रिंटेड मॉडल बनाया और उस पर इम्प्लांट की जांच की। यह केस बहुत जटिल था और हर कदम पर खास सावधानी बरतनी पड़ी। प्रो. मोहम्मद यूनुस (प्रमुख, ट्रामा एवं आपातकालीन चिकित्सा) और डॉ. सौरभ की देखरेख में डॉ. सोनी और उनकी टीम ने यह सर्जरी सफलतापूर्वक की।

### एक और पॉड होटल भी जल्द तैयार होगा

# स्टेशन पर अब एयरकंडीशंड वेटिंग रूम का लोकार्पण करीब

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

राजधानी के मुख्य रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लंबे समय से जिस सुविधा का इंतजार था, वह अब पूरी होने के करीब है। दरअसल रेल प्रशासन द्वारा प्लेटफार्म एक पर बनाए जा रहे वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष का काम पूरा हो चुका है और इसे जुलाई के पहले सप्ताह से यात्रियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

माना जा रहा है कि अब बारिश में यह सुविधा यात्रियों के लिए बड़ी राहत देने वाली साबित होगी। नवनिर्मित वेटिंग हाल में यात्रियों के बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। रेलवे वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष के अलावा प्लेटफार्म नंबर-एक पर नया पॉड होटल भी बना रहा है। इससे पहले प्लेटफार्म नंबर-छह पर पॉड होटल की सुविधा यात्रियों को दी जा चुकी है। इसका बेहतर प्रतिसाद देखते हुए अब प्लेटफार्म-एक पर भी इसी तरह की आधुनिक, सस्ती और सुरक्षित विश्राम सुविधा तैयार की जा रही है, जिसमें एक साथ 60 यात्री ठहर सकेंगे। अभी रेलवे की ओर से इसका शुल्क तय नहीं किया गया है।

उधर रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए ट्रेन 01922-01921 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सेवाओं का विस्तार कर दिया गया है। इससे बीना, विदिशा, रानी कमलापति, नर्मदापुरम और इटारसी जैसे प्रमुख स्टेशनों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

# संतनगर के गौतम बने भारतीय सेना में कमीशंड अफसर

**हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो**

संस्कार पब्लिक स्कूल से पढ़े गौतम भंभानी का चयन भारतीय सेना में कमीशंड अफसर के रूप में हो गया है. बुधवार को सेवा संकल्प धाम (संत जी की कुटिया) में सिद्ध भाऊजी ने गौतम भंभानी को सरोफा पहनाकर आशीर्वाद दिया। भाऊजी ने कहा कि गौतम की यह उपलब्धि संत हिरदारामनगर के अन्य बच्चों, विशेषकर सिंधी समाज के बच्चों को भारतीय सेना में अपना कॅरियर बनाने के लिए निश्चित रूप से प्रेरित करेगी.

**कुटिया में सिद्धभाऊजी ने दिया आशीर्वाद, पारवाणी रहे मौजूद**

### प्रेरणा का स्रोत बने गौतम

कर्नल नारायण पारवानी, ने बताया कि गौतम की यह सफलता उन सभी युवाओं के लिए एक मिसाल है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सपनों को पूरा करने का साहस रखते हैं. उनका भारतीय सेना में शामिल होना न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे संत हिरदारामनगर और सिंधी समाज के लिए गौरव का विषय है।

# प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर फर्जीवाड़े में कॉलेजों का थमाए नोटिस, 10 आए ही नहीं

**भोपाल।** राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से संबंधित कुछ कॉलेजों में प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर फर्जीवाड़े का मामला सामने आने के बाद मामले में जांच जारी है। दरअसल, बीयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने निजी कालेजों से फैकल्टी का डेटा वेबसाइट पर अपलोड कराया। इसके बाद कालेजों द्वारा यह फर्जीवाड़ा सामने आया कि एक प्रोफेसर का नाम दो कॉलेज में है। वहीं कुछ प्रोफेसर उस कॉलेज में पढ़ा नहीं रहे हैं, लेकिन उनका नाम फैकल्टी की सूची में दर्ज है। इसके लिए बीयू ने न्यायाधिकरण भी गठित किया। इसके अध्यक्ष डॉ. एसके मल्होत्रा ने करीब 20 कॉलेजों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इसका निराकरण करने के लिए दो दिन सुनवाई हुई है। इसमें करीब 10 कॉलेज उपस्थित नहीं हुए। बीयू ने उन्हें नोटिस देकर जवाब-तलब किया है। अगर ये कॉलेज उचित जवाब नहीं देते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए संबद्धता समाप्त होने के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से उनके खिलाफ मान्यता खत्म करने की अनुशंसा की तैयारी बीयू कर रहा है।

**कॉलेजों की ओर से उचित जवाब नहीं आने पर संबद्धता समाप्त होने की हो सकती है कार्यवाही**

**45 निजी कॉलेजों पर नजर–** बताया जा रहा है कि बीयू से संबद्ध 45 निजी कॉलेजों द्वारा प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर किए जा रहे फर्जीवाड़े को लेकर उनकी संबद्धता समाप्त भी की जा सकती है। इसमें राजधानी के 10 निजी कॉलेजों के भी नाम हैं। इसमें राजधानी सहित कुछ जिले के अन्य बीएड, एमबीए और विधि पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कॉलेज हैं।

# राजधानी में मछलियों के नए घर को नया रंग मिलेगा

## बेल्जियम ग्लास एक्वापार्क की 10 साल पुरानी योजना सिरे चढेगी

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

राजधानी के भदभदा रोड पर देश में अपनी तरह का पहला बेल्जियम ग्लास एक्वापार्क रिसर्च सेंटर बनाने की कवायद शुरू हुई है। इसकी लागत लगभग 40 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यह अत्याधुनिक केंद्र मछली पालन, पर्यटन और शोध तीनों क्षेत्रों में उपयोगी होगा। यह देश का पहला ऐसा एक्वेरियम होगा, जो बेल्जियम ग्लास से बनी सुरंग जैसी संरचना में तैयार होगा।

उल्लेखनीय है कि दुनियाभार में बेल्जिम के कांच बहुत मशहूर हैं। इस एक्वापार्क में लोग रंग-बिरंगी मछलियों को पानी के भीतर जाकर देखने का रोमांच अनुभव कर सकेंगे। खास बात यह है कि करीब दस वर्ष पहले इस परियोजना का प्रस्ताव वर्ष बनाया गया था। लेकिन तकनीकी प्रक्रिया और भूमि आवंटन में विलंब होता रहा और प्रोजेक्ट अटका रहा। अब अफसरों का कहना है कि अगले डेढ साल में इसका निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद यह भोपाल आने वाले पर्यटकों के लिये भी एक बडा आर्कषण बनेगा।

### मछलियों का नया घर, पुराना जमींदोज

उल्लेखनीय है कि मप्र का इकलौता मछलीघर सरकार ने कुछ साल पहले गिरा दिया था। यह राजभवन के समीप और छोटे तालाब के किनारे पर था। यहां की मछलियों को भदाभदा स्थित नए मछलीघर में शिफ्ट कर दिया गया था। अब नये एक्वापार्क की खास बात यह होगी कि यहां पर्यटक एक ओर जहां मछलियों का दीदार कर सकेंगे, वहीं यह मछली घर रिसर्च के शोध के काम भी आएगा।

# करंट से मौत मामले में एमडी को जांच के निर्देश

**भोपाल।** मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के शाहजहांनाबाद में एक 05 साल की मासूम बच्ची की बिजली के खंभे से करंट लगने के कारण मृत्यु होने की घटना पर संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि मासूम बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी घर के पास लगे बिजली के खंभे में करंट था, जिसकी चपेट में आने से मासूम बच्ची की मृत्यु हो गई। सड़क पर पानी भरा होने के कारण खंभे में करंट फैल गया था, लोगों का कहना है कि खंभे पर लगे तारों में कट है, जिससे खंभे से करंट आने लगा। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने एम.डी., मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

# भाभा विवि फार्मेसी का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

**भोपाल।** भाभा पॉलिटेक्निक फार्मेसी के डिप्लोमा विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्रों का भाभा विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें कॉलेज का छात्र राहुल पटेल ने 82.64% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, विजय मिश्रा ने 79.27% के साथ द्वितीय और भदंगे अश्विनी मधुकर 77.82% के साथ तीसरे स्थान पर रहें। इस अवसर पर भाभा विवि के सीईओ प्रसाद पिल्लई, कुलपति डॉ दिलीप कुमार डे, कुलसचिव डॉ श्याम पाटकर, डीन फार्मेसी डॉ शैलेष घटुवारी प्राचार्य रजनी देशपांडे एवं समस्त विभाग ने छात्रों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

# एक्यूप्रेशर शिविर का समापन असाध्य रोगों का इलाज हुआ

**हिरदाराम नगर।** झूलेलाल मंदिर, में आयोजित एक्यूप्रेशर द्वारा असाध्य रोगों के उपचार के पांच दिवसीय शिविर का बुधवार को समापन हो गया है. डॉ. राम मनोहर

लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान, हनुमानगढ़, राजस्थान द्वारा आयोजित इस शिविर में डॉ. एस.एस. लोहिया, डॉ. सचिन लोहिया, डॉ. भवानी सिंह और डॉ. हिमांशु लोहिया ने अपनी सेवाएं दीं.

शिविर में गर्दन दर्द, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, चक्कर आना, सिरदर्द, कमर दर्द, स्लिप डिस्क, पैरों में सुन्नपन, साइटिका और हाथों में सुन्नपन जैसे रोगों का उपचार एक्यूप्रेशर के माध्यम से किया गया. इसके अतिरिक्त, घुटने का दर्द, चलने में तकलीफ, घुटनों में आवाज आना, सीढ़ियां न चढ़ पाना, शुगर और पेट संबंधी बीमारियों का इलाज कप्पिंग थेरेपी से भी किया जा रहा था.

**मेट्रो एंकर** कांग्रेस ने कहा, संतनगर में समस्या बढ़ी तो आंदोलन करेंगे

# थोड़ी सी बारिश में दुकानों में घुसा पानी, लाखों को माल खराब

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो**

बारिश में निर्माण कार्य मुसीबत बन रहे हैं। बुधवार तड़के हुई तेज बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। फाटक रोड के आसपास दुकानों में पानी भरने से लाखों का माल पानी से खराब हो गया है।

लोगों को कहना है जब थोड़ी सी बारिश में यह हाल है तो मूसलाधार बारिश में क्या होगा, यह सोचकर परेशान हैं। फाटक रोड प्रमुख रहा, जहां चल रहे ब्रिज निर्माण कार्य ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया. निर्माण कार्य के चलते कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे व्यापारियों को लाखों रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है. दुकानदारों का कहना है कि ब्रिज निर्माण के कारण पानी की निकासी बुरी तरह बाधित हुई है,

जिसने जलभराव की समस्या को गंभीर रूप दे दिया है. उनका बहुमूल्य स्टॉक और अन्य सामान पानी में डूबने से बर्बाद हो गया है, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ गया है.

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने हालातों को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक मारण ने प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है. मारण ने साफ कहा है कि अगर जल्द ही जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई और व्यापारियों को हुए नुकसान का संज्ञान नहीं लिया गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे.

संतनगर के व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए और भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि व्यापारियों को बार-बार ऐसे भारी नुकसान का सामना न करना पड़े.

## मुंह मीठा.....

भाजपा के नये अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के विधिवत चुने जाने के बाद उन्हें निवर्तमान अध्यक्ष वीडी शर्मा और सीएम मोहन यादव ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं व पार्टी ध्वज सौंपा।

### मप्र समेत कई राज्यों में कार्रवाई

# मान्यता दिलाने के लिए घूस, मांग रही डॉक्टरों की गैंग पकडी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**सीबीआई ने मेडिकल कॉलेज को मान्यता दिलाने के लिए 55 लाख रुपए घूस लेने के मामले में तीन डॉक्टर समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस सिलसिले में सीबीआई ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 40 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की।**

मामला रायपुर में नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज से जुड़ा है। रंगे हाथ गिरफ्तार आरोपियों में डॉ. मंजप्पा सीएन, डॉ. अशोक शेलके, डॉ. सतीश ए, डॉ. चैत्रा एमएस और उनके पति रविचंद्रन समेत अतुल कुमार तिवारी शामिल बताए जाते हैं। सीबीआई का कहना है कि रिश्वत के 55 लाख रुपए हवाला के जरिए दिए गए।

दरअसल, मान्यता के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग में आवेदन किया था। 30 जून को मेडिकल काउंसिल के 4 सदस्य डॉक्टर्स की टीम निरीक्षण के लिए आई थी। टीम में डॉ. मंजप्पा सीएन, डॉ. सतीश, डॉ. अशोक शेलके और डॉ. चैत्रा एमएस शामिल थे। चारों डॉक्टर्स ने मैनेजमेंट के अतुल कुमार तिवारी से पॉजीटिव रिपोर्ट देने के लिए लेन-देन की बातचीत की। डॉ. सीएन ने डॉ. सतीश को हवाला के जरिए 55 लाख रुपए इकट?ठा करने का काम सौंपा। उनकी टीम के बाकी सदस्यों से बात की और भरोसा दिया कि उनका हिस्सा डॉ. सतीश उनके पास पहुंचा देंगे। लेकिन इसी बीच इस गोरखधंधे की जानकारी सीबीआई को लग गई। जांच एजेंसी ने बेंगलुरु में ट्रेप लगाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

### राज्य निर्वाचन आयोग ने किए पदोन्नति आदेश जारी

**भोपाल ।** सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया है कि मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पदोन्नति के आदेश जारी किये गये है।

### मंत्री सारंग की हिदायत, कार्यशाला से गैरहाजिर अफसरों को नोटिस

# पारदर्शिता व ईमानदारी से काम करेंगे सहकारिता अफसर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय सहकारी कार्यशाला का में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि पारदर्शिता, ईमानदारी और नवाचार के जरिए ही सहकारी आंदोलन को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने सहकारिता विभाग की पूरी टीम से संकल्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। हालांकि कार्यशाला के दौरान मंत्री सारंग ने बिना सूचना अनुपस्थित अधिकारियों पर नाराजगी जताई और उन्हें शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपील की।

**पैक्स को मजबूत करना समय की मांग-** सारंग ने कहा कि पैक्स को मजबूत करना समय की मांग है। इसके लिए संभागीय और जिला अधिकारी अधीनस्थ पैक्स का निरीक्षण करें और मुख्यालय के अधिकारी भी संभागवार जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि पैक्स के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। सारंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की सराहना करते हुए कहा कि आज सहकारिता के माध्यम से गरीबों के घरों में खुशहाली लाई जा रही है। उन्होंने इस अवसर पर मध्यप्रदेश की नवाचार विंग और सीपीपीपी मॉडल की सराहना की, जिसे हाल ही में केंद्र सरकार को दिए गए प्रेजेंटेशन में देशभर में सर्वश्रेष्ठ आंका गया।

### इस कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव

अशोक वर्णवाल ने कहा कि प्रत्येक पैक्स को क्रेडिट के अलावा तीन अतिरिक्त गतिविधियों को अपनाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय अवसरों को ध्यान में रखकर बिजनेस बढ़ाने की बात कही और पैक्स को मजबूत करने को प्राथमिकता बताया। सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक मनोज पुष्प ने अधिकारियों से सहकारिता के मॉडलाइजेशन को धरातल पर उतारने और पैक्स को बिजनेस यूनिट के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया और उप सचिव मनोज सिन्हा ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिला सहकारी बैंकों के सीईओ, समिति प्रबंधक और अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### पीएम मित्र पार्क के टेंडर हुए

# कपड़ा उद्योग को धार देने की कवायद हुई तेज, सीएम ने पीएम माना आभार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पीएम मित्र पार्क के पहले चरण के निर्माण कार्यों के लिए 773 करोड़ रुपए के टेंडर जारी हो गए हैं। मुख्यमंत्री हन यादव ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है और कहा है कि यह सौगात कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में एमपी के लिए नई शुरुआत साबित होगी। बीती शाम एक्स पर ट्वीट में सीएम यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को एक और सौगात दी है, अब धार जिले में 2158 एकड़ भूमि पर लगभग ? 2050 करोड़ से अधिक की लागत से पीएम मित्र पार्क विकसित होने वाला है।

उल्लेखनीय है कि पीएम मित्र पार्क के फर्स्ट फेज के अधोसंरचना विकास के लिए 773 करोड़ रुपए की लागत के टेंडर 30 जून को जारी कर दिए गए हैं। धार इससे टेक्सटाइल इंडस्ट्री का हब बनेगा। कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में जब मध्यप्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है तो यह सौगात

प्रदेश के विकास और कपड़ा उद्योग में नए युग की शुरुआत होगी। दरअसल, प्रधानमंत्री के फाइव एफ विजन यानी फार्म टू, फाइबर टू, फैक्ट्री टू, फैशन टू, फॉरेन को साकार करने के लिए पीएम मित्र पार्क को विकसित किया जा रहा है। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने देश के सात राज्य में सात पीएम मित्र पार्क स्वीकृत किए हैं। इनमें मध्यप्रदेश के धार में पार्क शामिल हैं जिसमें कपास से धागा, धागे से वस्त्र निर्माण और तैयार वस्त्र की बिक्री एवं निर्यात का कार्य एक स्थान पर होगा।

### स्मार्ट मीटर लगवाएं और 20 प्रतिशत सस्ती बिजली पाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बिजली सबकी जरूरत है। सबको जरूरत के अनुसार बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिजली सस्ती दरों पर मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर मॉडल सबसे अच्छा है, इसलिए विद्युत उपभोक्ताओं के हित में सबके घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएं। इससे उपभोक्ताओं को 20 प्रतिशत सस्ती दर पर बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें उपभोक्ता को खुद की खपत का आंकलन कर ऊर्जा का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर अपने बिजली बिल की राशि को कम से कम करने की सुविधा भी मिलती है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को स्मार्ट मीटर लगाने की गति को और तेज करने के निर्देश दिये।

### नीट परिणामों के आधार पर होंगे प्रवेश

# मप्र के 18 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों को केंद्र से मान्यता

दोहपर मेट्रो, भोपाल

केंद्रीय आयुष मंत्रालय और नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने इस सत्र के लिए मध्यप्रदेश के 18 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दी है। इनमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, इंदौर और बुरहानपुर के 7 शासकीय आयुर्वेद कॉलेज और 11 निजी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।

खास बात यह है कि मध्यप्रदेश सबसे ज्यादा आयुर्वेद कॉलेजों को मान्यता के मामले में दूसरे नंबर पर है। हालांकि, प्रदेश के 16 अन्य कॉलेजों सहित देशभर के 482 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता पर निर्णय अभी बाकी है। मान्यता प्राप्त कॉलेजों और सीटों का विवरण भोपाल के पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज को 75 यूजी और 74 पीजी सीटें मिली हैं। वहीं, भोपाल के स्कूल ऑफ आयुर्वेद साइंस, सरदार अजीत सिंह स्मृति आयुर्वेद कॉलेज, रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आयुर्वेद और मानसरोवर आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज को सौ सौ यूजी सीटों पर मान्यता दी गई है। अब देशभर के सभी आयुर्वेद कॉलेजों में प्रवेश नीट 2025-26 के परिणामों के आधार पर ही होंगे। मध्यप्रदेश में यूजी की लगभग 3000 सीटों सहित देशभर के 598 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों में 42 हजार से अधिक सीटें हैं।

बताया जाता है कि मप्र के अलावा असम का 1, छत्तीसगढ़ 3, गुजरात 3, हरियाणा 2, हिमाचल 1, कर्नाटक 13, केरल 1, महाराष्ट्र 33, ओडिशा 4, पांडिचेरी 1, पंजाब 4, तेलंगाना 1, उत्तर प्रदेश 23, उत्तराखंड 7 और पश्चिम बंगाल का 1 कॉलेज शामिल है।

### जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सम्मानित होंगे दानदाता के परिवार

# देहदान करने वालों की अंतिम विदाई पर गार्ड ऑफ ऑनर देगी पुलिस

दोहपर मेट्रो, भोपाल

अब मध्यप्रदेश में अंगदान और देहदान करने वाले लोगों को अंतिम विदाई पर पुलिस का दस्ता गार्ड ऑफ ऑनर देगा। राज्य सरकार ने इसके औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री यादव ने फरवरी में एम्स भोपाल में हुए प्रदेश के पहले हृदय प्रत्यारोपण के समय इसकी घोषणा की थी। सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव सचिंद्र राव ने सभी संभाग आयुक्तों, कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए। इसमें कहा गया है कि हृदय, लिवर, किडनी जैसे अंगों का दान करने वाले या देहदान करने वाले नागरिकों के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार से पहले पूरे सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। अंगदान और देहदान करने वाले परिवारों को हर साल दो बार 26 जनवरी और 15 अगस्त के जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, दानदाताओं के परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड भी दिया जाएगा। इस निर्णय पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा- मृत्यु के बाद जीवन का उपहार देना मात्र दान नहीं है। यह अमरत्व है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह समाज को अंगदान और देहदान के लिए प्रेरित करेगा।

### मप्र में अंगदान कम

दरअसल, नेशनल आर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (नोटो) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में केवल आठ कैडेवर डोनेशन हुए थे। वहीं तेलंगाना में ऐसे अंगदान की संख्या 252 तक थी। तमिलनाडु-कर्नाटक में 178 और गुजरात में 146 थी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने फरवरी में एम्स में कहा था कि प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने आम जनता से अंगदान और देहदान को प्राथमिकता देने की अपील की थी।

## संपादकीय

# अर्थव्यवस्था के हिचकोले

भारतीय अर्थव्यवस्था में हर दिन कोई नये दिन की तरह लगता है, यानि ठहराव नजर नहीं आता। किसी दिन कोई उम्मीद नजर आती है तो अगले दिन भ्रम की स्थिति हो जाती है। अब नजरे 9 जुलाई पर हैं और भ्रम भी। यह तारीख करीब आ रही है तो निश्चित ढंग से यह कहना मुश्किल है कि भारत और अमेरिका समय रहते किसी साझा लाभ वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुंच सकेंगे या नहीं। अमेरिका ने जो नीतिगत रुख अपनाया है उसने न केवल वैश्विक व्यापार व्यवस्था को बाधित किया है बल्कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी उथलपुथल पैदा की है। उदाहरण के लिए अमेरिकी डॉलर 2025 की पहली छमाही में मुद्रा बास्केट के बरअक्स 10 फीसदी कमजोर पड़ा है। इसके अलावा अमेरिकी व्यापार नीतियों, भूराजनीतिक तनाव आदि ने भी बाहरी जोखिम बढ़ा दिए हैं। जोखिम और अनिश्चितता में इजाफे का संकेत रिजर्व बैंक की ताजा वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट में भी नजर आया। जारी रिपोर्ट में कहा गया, बढ़ती व्यापार बाधाएं और गहन भूराजनीतिक शत्रुताएं घरेलू वृद्धि परिदृश्य पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। इसका परिणाम निवेशकों के जोखिम से बचने के रूप में भी सामने आ सकता है और घरेलू शेयर बाजारों में और गिरावट देखने को मिल सकती है। उधर अर्थव्यवस्था की चमकीली तस्वीर के बरक्स औद्योगिक उत्पादन वृद्धि में गिरावट बड़ा झटका है। मई में यह वृद्धि जिस तरह घट कर 1.2 फीसद पर पहुंची है, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पिछले कुछ समय से हो रही इस गिरावट को थामने के लिए क्या उपाय किए गए, क्योंकि अप्रैल में यह आंकड़ा 2.6 फीसद था। भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए यह कोई अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आंकड़ा बता रहा है कि यह बीते नौ महीने की सबसे सुस्त रफ्तार है। एक महीने पहले भी इस गिरावट का बड़ा कारण बिजली और खनन क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन बताया गया था। इसे गंभीरता से लेने की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि खनन क्षेत्र में उत्पादन लगातार दूसरे महीने 0.1 फीसद घटा है। वहीं अगस्त 2024 के बाद पहली बार बिजली क्षेत्र का उत्पादन 5.8 फीसद घटना ऊर्जा क्षेत्र के लिए भी चुनौती है। दूसरी ओर सुस्ती का पहले से ही सामना कर रहे विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन घटने को गंभीरता से लेना होगा। हालांकि यह तर्क दिया जा रहा है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से खनन गतिविधियां ठप हुई हैं और बिजली की मांग भी घटी है। औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटने के अपने जोखिम हैं। इसका देश के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन वृद्धि घटने का असर न केवल महंगाई पर पड़ेगा, बल्कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी धीमी होगी। ऐसे में कई चीजों का आयात करने से व्यापार घाटा बढ़ सकता है। मौजूदा स्थिति अगर उपभोक्ताओं के बदलते रुख और अपनी जरूरतें कम करने की वजह से है, तो औद्योगिक तथा विनिर्माण क्षेत्र को चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। यह चिंता की ही बात है कि गैर टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन लगातार गिर रहा है और यह 2.4 फीसद कम हो गया है। वहीं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन भी घटा है। नवंबर 2024 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति देखी जा रही है। वस्तुओं की खरीद घटना उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति को बयां कर देती है। जबकि आम उपभोक्ता की जेब में जब तक रूपया नहीं होगा तब तक समग्र विकास की बात जरा दूर की बात लगती रहेगी।

# हिंदी के विरोध की संकीर्ण राजनीति

■ विश्वनाथ सचदेव

आपातकाल में हमारे संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द जोड़े गये थे- पहला 'पंथ निरपेक्षता' और दूसरा समाजवाद। संविधान जब तैयार किया जा रहा था तब भी इन शब्दों की आवश्यकता की चर्चा हुई थी, पर तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि यह दोनों विचार संविधान में अन्यत्र स्पष्ट रूप से जुड़े हुए हैं, अत-इन्हें अलग से प्रस्तावना में जोड़ना आवश्यक नहीं है। जब आपातकाल के दौरान इन्हें जोड़ा गया तो तर्क यह दिया गया था कि यह दोनों विचार प्रमुखता के साथ रेखांकित होने चाहिए। संविधान के 42वें संशोधन से इसे रेखांकित कर दिया गया। बाद की जनता पार्टी की सरकार ने भी इस बात को मान लिया। पचास साल बाद यह विवाद फिर सिर उठा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को यह लग रहा है कि इन दोनों शब्दों को प्रस्तावना से हटा कर अब अपनी विचारधारा को संविधान में शामिल किया जा सकता है। और यदि संख्या की दृष्टि से फिलहाल संविधान में प्रयुक्त संशोधन नहीं हो सकता तो भी देश में अपने विचार के समर्थन में वातावरण बनाने का यह अच्छा मौका है।

ऐसी ही एक कोशिश महाराष्ट्र में भी हो रही है- राज्य की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने केंद्र की नयी शिक्षा-नीति को लागू करने की प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए यह निर्णय लिया था कि राज्य में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किया जाये। इस फार्मूले के अनुसार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाई जानी थी। विपक्ष, विशेषकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को, सरकार के इस निर्णय का विरोध करके अपनी जमीन को मज़बूत करने का अवसर दिखाई दिया। उद्धव ठाकरे ने घोषणा कर दी कि उनकी पार्टी इस निर्णय को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देगी। लगभग दो दशक पहले बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को छोड़कर अपना स्वयं का राजनीतिक दल बनाने वाले उनके भतीजे राज ठाकरे को भी इस स्थिति में एक अवसर दिखाई दिया और उन्होंने भी घोषणा कर दी कि राज्य सरकार की ÷मराठी विरोधी नीति÷ को लागू नहीं होने दिया जायेगा। कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी भी ठाकरे बंधुओं के आह्वान के साथ जुड़ गयीं। एक बार फिर

राज्य में मराठी अस्मिता के नाम पर माहौल बनने लगा। स्थिति को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने यह घोषणा की कि पहली से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य रूप से नहीं पढ़ाई जायेगी, यदि बच्चे किसी अन्य भाषा को पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए स्कूलों में इसकी व्यवस्था की जायेगी, बशर्ते किसी अन्य भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम से कम बीस हो। सरकार को लगा था कि इस घोषणा से स्थिति संभल जायेगी। पर ऐसा हुआ नहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठे) और राज ठाकरे की मनसे, दोनों किसी भी कीमत पर इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे। तय हुआ कि पांच जुलाई को राज्य का समूचा विपक्ष मराठी भाषा और मराठी अस्मिता की रक्षा के नाम पर केंद्र के निर्देश से काम करने वाली महाराष्ट्र सरकार के निर्णय के विरोध में आंदोलन करेगा।

बाजी हाथ से निकलते देख कर राज्य सरकार ने हिंदी की पढ़ाई वाला अपना कदम वापस लेने का निर्णय किया। अब एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है जो राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किये जाने के बारे में अध्ययन करके अपना सुझाव देगी। पर विपक्ष इस अवसर का लाभ उठाने पर आमादा है। ज्ञातव्य है कि भाषा के नाम पर महाराष्ट्र बहुत ही संवेदनशील है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ राज्यों में भी भाषा को लेकर संवेदनशीलता कम नहीं है। तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, बंगाल आदि राज्यों में भी भाषा के नाम पर राजनीति होती रही है। और अब भी हो रही है। लेकिन महाराष्ट्र में तो भाषाई अस्मिता के नाम पर ही शिवसेना जैसे राजनीतिक दल की स्थापना हो पायी थी। आज भी 'उबाठा' या 'मनसे' जैसे दल एक तरह से भाषा की राजनीति ही कर रहे हैं। बालासाहेब ठाकरे ने 'मराठी माणूस' के हितों के नाम पर ही शिवसेना का गठन करने में सफलता पायी थी और आज भी त्रिभाषा फार्मूले वाली शिक्षा-नीति में हिंदी की स्थिति को लेकर होने वाले विरोध के मूल में भाषाई अस्मिता वाली बात ही है। महाराष्ट्र में इस नीति का विरोध करने वाले यह तो कहते हैं कि वह 'हिंदी के विरोधी नहीं, हिंदी को थोपे जाने के विरोधी हैं', लेकिन यह सवाल तो उठता ही है कि देश में सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा हिंदी की पढ़ाई का विरोध करने वाले एक विदेशी भाषा अंग्रेजी को कैसे स्वीकार कर पा रहे हैं? थोपी तो अंग्रेजी जा रही है।

बहरहाल, हिंदी भले ही संविधान में राष्ट्रभाषा नहीं, बल्कि देश की राजभाषा के रूप में स्वीकार की गयी हो, पर इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत जैसे बहुभाषी देश में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी सर्वाधिक उपयुक्त भाषा है। अंग्रेजी सीखने-सिखाने से भी किसी को विरोध नहीं होना चाहिए, अंग्रेज़ी एक समृद्ध भाषा है, दुनिया के कई देशों में बोली जाती है, इक्कीसवीं सदी के भारत में अंग्रेजी की आवश्यकता भी हो सकती है, पर 121 प्रमुख भाषाओं वाले भारत में, जहां संविधान बाईस भाषाओं को राष्ट्रभाषा का दर्जा देता है, अपनी किसी भाषा का विरोध उचित तो नहीं ही कहा जा सकता। राजनीतिक हितों और स्वार्थों की बात छोड़कर हमें देश की भाषाई वास्तविकता को समझना होगा।

त्रिभाषा फार्मूले का विरोध करने वालों को भी यह समझना होगा कि आवश्यकता इसके ईमानदार क्रियान्वयन की है। वर्ष 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा-नीति में इस फार्मूले को स्वीकारा गया था। तब यह कहा गया था कि तीसरी भाषा के रूप में उत्तर वाले दक्षिण की किसी भाषा को सीखेंगे और दक्षिण वाले उत्तर की भाषा हिंदी को। पर उत्तर वालों ने यहां ईमानदारी नहीं दिखाई। उन्होंने तीसरी भाषा के रूप में दक्षिण भारत की किसी भाषा के बजाय मुख्यत-संस्कृत को चुना। यह ग़लत था। अपने देश की भाषाओं को सीखकर ही हम अपने देश को समझ सकते हैं! इसलिए महाराष्ट्र अथवा अन्य किसी भी राज्य में हिंदी का विरोध बेमानी है। हमें तो इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हमारे पास इतनी सारी भाषाओं की संपदा है।

गर्व करने वाली यही बात संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' के जुड़े होने पर भी लागू होती है। ये दोनों विचार राजनीतिक स्वार्थ की दृष्टि से नहीं देखे जाने चाहिए। पंथ-निरपेक्षता हमें सर्वधर्म समभाव के आदर्श से जोड़ती है, इसे धर्म से विमुखता का संदर्भ देकर राजनीतिक लाभ भले ही उठाया जा सकता हो, पर इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि हमारा भारत दुनिया का अकेला देश है जहां इतने सारे धर्म फल-फूल रहे हैं। हमारी धार्मिक और भाषाई विविधता हमारी विशेष पहचान है, हमारी विशेषता है। इस विशेषता पर हमें गर्व होना चाहिए। जहां तक समाजवाद का सवाल है समता, बंधुता और न्याय के आदर्श में विश्वास करने वाला भारत सबको आगे बढ़ने का समान अवसर देने वाले मार्ग के अलावा और कोई मार्ग चुन ही नहीं सकता। इसलिए ज़रूरी है कि हम राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर 'सर्वजन हिताय' के आदर्श को समझें-स्वीकारें।

कोई माने या न माने, पर तीन बातें स्वतः स्पष्ट हैं–पहली यह कि हिंदी देश में सर्वाधिक बोली-समझी जाने वाली भाषा है, दूसरी यह कि पंथ-निरपेक्षता हमारे संविधान की मूल भावना का हिस्सा है, और तीसरी यह कि समाजवाद शब्द से भले ही किसी को विरोध हो, पर 'सर्वे भवंतु सुखिनः' का आदर्श यही समझाता है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान की मूल भावना को नकारना स्वीकार्य नहीं हो सकता।

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

## आज का इतिहास

- 1883 : फ्रैंज काफ्का को बीसवीं सदी का सर्वश्रेष्ठ लेखक माना जाता है। प्राग में 03 जुलाई 1883 में जन्मा यह महान लेखक 03 जून 1924 को स्मृतिशेष हो गया। प्राग 1883 में ऑस्ट्रिया-हंगरी का हिस्सा था। उनके माता-पिता जर्मन भाषी यहूदी थे। कानून में स्नातक काफ्का के जीवनकाल में उनकी कुछ ही रचनाएं प्रकाशित हुईं। निधन के बाद उनके मित्र मैक्स ब्रॉड ने उनकी अधिकांश रचनाएं छपवाईं। काफ्का की रचनाओं के पात्र अलगाव की भावना से जूझते नजर आते हैं। उनके लेखन में चिंता, भय और अनिश्चितता के विषय भी हैं। काफ्का के लेखन में कहीं-कहीं सत्ता और अधिकार का संघर्ष भी झलकता है।
- 1661: पुर्तगाल ने बॉम्बे को ब्रिटिश शासक चार्ल्स द्वितीय को उपहार में दिया।
- 1720: स्वीडन और डेनमार्क ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1760: मराठा सेना ने दिल्ली पर अधिकार किया।
- 1778: प्रशा ने ऑस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की।
- 1876: मांटनीग्रो ने तुकिये के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1884: स्टॉक एक्सचेंज डाउ जोंस ने अपना पहला स्टॉक इंडेक्स जारी किया।
- 1908 : बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया: भारतीय राष्ट्रवादी और स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक को 3 जुलाई, 1908 को ब्रिटिश सरकार द्वारा राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. तिलक को 'लोकमान्य तिलक' के नाम से भी जाना जाता था और वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रारंभिक लोकप्रिय नेताओं में से एक थे.
- 1947: महाराजा हरि सिंह ने विलय के लिखत पर हस्ताक्षर किए: 3 जुलाई, 1947 को जम्मू और कश्मीर के शासक महाराजा हरि सिंह ने विलय के लिखत पर हस्ताक्षर किए, जिससे राज्य का भारतीय संघ में विलय हो गया.
- 1947: सोवियत संघ ने मार्शल योजना में भाग लेने से मना कर दिया।
- 1979 : विद्यासागर पुल का निर्माण शुरू-कोलकाता, पश्चिम बंगाल में प्रसिद्ध विद्यासागर पुल का निर्माण 3 जुलाई, 1979 को शुरू हुआ. यह पुल 10 अक्टूबर, 1992 को हुगली नदी पुल आयोग द्वारा शुरू किया गया.
- 1992: रियो डि जेनरो (ब्राजील) में पृथ्वी सम्मेलन शुरू।
- 1999 : कारगिल युद्ध समाप्तः भारत और पाकिस्तान के बीच मई 1999 में शुरू हुआ कारगिल युद्ध 3 जुलाई, 1999 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया, जब पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा के भारतीय पक्ष से वापस लौटना शुरू कर दिया.
- 1999: कुवैत में 50 सदस्यीय संसदीय चुनाव सम्पन्न।
- 2000: लायसेनिया करासे फिजी के अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त।
- 2004: रूस की मारिया शारापोवा महिला विम्बलडन चैम्पियन बनीं।
- 2005: महेश भूपति और मेरी पियर्स ने विंबलडन टेनिस का मिश्रित युगल खिताब जीता।
- 2006: कैरेबियाई द्वीप पर 35 साल बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली बार जीत दर्ज की। स्पेन ने भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद जताई।
- 2007: विवादास्पद लेखक सलमान रूश्दी ने अपनी पत्नी पद्म लक्ष्मी से तलाक लेने की घोणा की।
- 2008: न्यूयार्क में दलित सम्मेलन शुरू।
- 2017: अचल कुमार ज्योति भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त।
- 2018: मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रज्जाक गिरफ्तार।
- 1883: महान लेखक फ्रांज काफ्का का जन्म।
- 1886: प्रख्यात दर्शनशास्त्री रामचंद्र दत्तात्रेय रानाडे का जन्म।
- 1897: भारत की प्रसिद्ध समाजसेवी हंसा मेहता का जन्म।
- 1941: मलयालम सिनेमा और भारत के चोटी के फिल्म निर्माता अदूर गोपालकृष्णन का जन्म।
- 1951: न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज रिचर्ड हैडली का जन्म।
- 1952: प्रख्यात भारतीय-कैनेडियन उपन्यासकार रोहिंटन मिस्त्री का जन्म।
- 1971: विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे का जन्म।
- 1979: भारतीय निशानेबाज आरती सिंह राव का जन्म।
- 1996: हिन्दी फिल्मों के मशहूर अभिनेता राजकुमार का निधन।

# उपलब्धि के नए आसमान में भारत

■ राजीव रंजन

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष के लिए रवाना हो गए हैं. ग्रुप कैप्टन शुक्ला तीन और अंतरिक्ष यात्रियों के साथ 14 दिनों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में रहेंगे. ये मिशन वायुसेना के लिए भी गौरव की बात है. ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष में जाते ही वायुसेना ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आसमान से लेकर अब सितारों तक, यह सफर हमारे एयर वॉरियर की ताकत और जज्बे की मिसाल है। सबसे बड़ी बात ये हुई है कि इनके अंतरिक्ष में जाने से देश में हर जगह अंतरिक्ष को जानने-बूझने की उत्सुकता बढ़ी है. बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में इस मिशन की चर्चा हो रही है. आने वाले पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ-साथ इससे एक इको सिस्टम बनाने में भी मदद मिलेगी. शुभांशु के कंधे पर प्रतीकात्मक रूप से लगा तिरंगा सबको प्रेरित करेगा. सच कहें तो हिन्दुस्तान में इस मिशन की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है. वैसे यह डोमेन भारत के नया जरूर है लेकिन तकनीकी प्रभुत्व के लिए जरूरी है. अगर भारत को आगे बढ़ना है तो उसे अंतरिक्ष में कदम बढ़ाना होगा। आने वाला कल अंतरिक्ष का है. जो यहां तकनीकी तौर पर ताकतवर होगा, वही दुनिया पर राज करेगा. या फिर कह सकते हैं कि दुनिया में उसकी

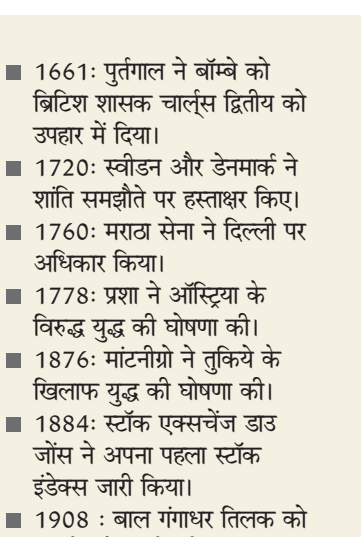

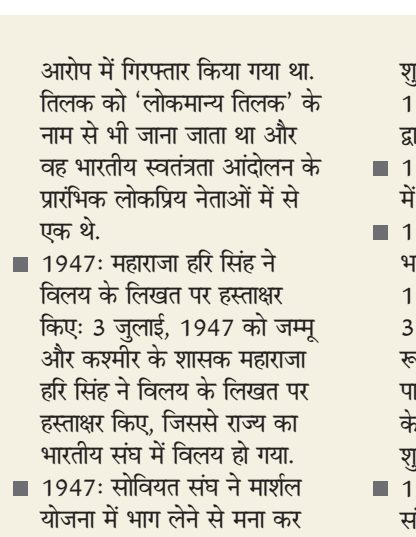

ही तूती बोलेगी. फिलहाल इसरो और वायुसेना अंतरिक्ष के फील्ड में काफी कुछ कर रहे हैं. इस पर ज्यादातर काम अंतरिक्ष के बाहरी हिस्से में हो रहे हैं, जो अधिकतर असैन्य, विकास से संबंधित और वैज्ञानिक प्रकृति के हैं. कैप्टन शुक्ला के अंतरिक्ष में जाने के बाद अब भारत की अंतरिक्ष में भागीदारी धीरे-धीरे अलग तौर पर दिखनी शुरू हो जाएगी. इसका एक रणनीतिक संकेत पूरी दुनिया में जाएगा.

पहली बार भारत के एस्ट्रोनॉट विंग कमांडर राकेश शर्मा 1984 में सोवियत संघ के एक यान के जरिए अंतरिक्ष में गए थे. अब एक्सिओम-4 के जरिए दूसरा भारतीय नागरिक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गया है. इससे भारत के गगनयान अभियान में खासी मदद मिलेगी. ये अंतरिक्ष में वास्तविक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में अनमोल डाटा इकट्ठा करेंगे, जो 2027 के लिए निर्धारित गगनयान मिशन के लिए एक लाइव रिहर्सल की तरह होगा। कुछ महीने पहले भारत ने स्पेडेक्स मिशन के तहत अंतरिक्ष में डॉकिंग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था. इसमें दो सैटेलाइट एक-दूसरे के करीब आते हैं और फिर एक साथ जुड़ जाते हैं. यह एक जटिल तकनीकी प्रक्रिया है, जिसे अंतरिक्ष अभियानों में इस्तेमाल किया जाता है. अभी तक दुनिया के बस चार देश ये कामयाबी हासिल कर सके हैं. इसकी सफलता ने दिखाया कि भविष्य में भारत अंतरिक्ष में यानों को जरूरत पड़ने पर ईंधन भरने से लेकर मरम्मत तक का काम आसानी से कर सकता है. इतना ही नहीं, दुश्मन के सैटेलाइट को भी भारत चाहे तो निष्क्रिय कर सकता है। 2019 में भारत ने एंटी सैटेलाइट मिसाइल टेस्ट किया था. दिखाया था कि वो अंतरिक्ष में भी किसी सैटेलाइट को गिरा सकता है. यह प्रयोग उसने अपने एक बेकार हो चुके उपग्रह पर किया था. अब वायुसेना का फोकस भी स्पेस पर है. इसके लिए इसरो के साथ मिलकर वायुसेना काम कर रही है. हालांकि अंतरिक्ष के मामले में चीन और अमेरिका की तुलना में भारत काफी पीछे है।

आज के दौर की लड़ाई में बिना अंतरिक्ष के इस्तेमाल के आप जंग लड़ ही नहीं सकते. आपको पता कैसे चलेगा कि दुश्मन का ठिकाना किधर है? बिना इसकी मदद से आप टारगेट तक पता नहीं कर सकते हैं. दुश्मन पर नजर रखने से लेकर सर्विलांस तक का काम सैटेलाइट के जरिए ही सटीकता के साथ अंजाम दिया जा सकता हैं. ऐसे में यह कहना ज्यादा बेहतर होगा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष में पहुंचने से हमारे कई अंतरिक्ष अभियानों को नई उड़ान मिलेगी, जो देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए निर्णायक साबित होगी।

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

**सम्पत्ति समझदार मनुष्य की सेविका है, किंतु मूर्ख के लिए वह जालिम है।**

**- हरिभाऊ**

## निशाना

### मंशा राजनीतिक !

-कृष्णेन्द्र राय

लेकर यू टर्न ।
कमर दिया अब तोड़ ।।
मंशा राजनीतिक ।
कुछ करने की होड़ ।।
चले बराबर चाल ।
मात की तैयारी ।।
उनको लेकिन मुद्दा ये ।
पड़ने वाला भारी ।।
फूंक फूंक कर हर कदम ।
और ये प्रहार ।।
भटकाना था ध्यान ।
खो चुके आधार ।।
दाल नहीं गल पाती जब ।
ये हरकत हर बार ।।
और भी भविष्य में ये ।
बन रहे आसार ।।

# वनभूमि से बेदखली के खिलाफ आदिवासियों ने तारादेही थाने के सामने ढाई घंटे तक लगाया जाम

**तेंदूखेड़ा/तारादेही, दोपहर मेट्रो**

अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम तारादेही में मंगलवार को आदिवासियों ने बड़ा प्रदर्शन किया। मप्र वन अधिकार संघर्ष समिति के तत्वाधान में सुबह 11 बजे से ग्राम तारादेही में जनसभा आयोजित की गई। जिसमें शासन-प्रशासन द्वारा आदिवासियों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचार, वन भूमि से बेदखली सहित अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की। वहीं दोपहर करीब 3 बजे से पुलिस थाना के सामने जाम लगा दिया। जिससे मुख्य मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं।

**एसडीएम को अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन अधिकारियों के समझाइश के बाद माने आदिवासी लोग**

जाम की सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व एसडीओपी डीएस ठाकुर तारादेही थाना प्रभारी राजीव पुरोहित तेन्दूखेड़ा थाना प्रभारी नीतेश जैन तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद ठाकुर सहित चार थाने का पुलिस स्टाफ व राजस्व विभाग और वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे अधिकारियों ने आदिवासियों को समझाइश दी। करीब ढाई घंटे तक चले जाम के बाद शाम करीब 5.20 बजे जाम खोला गया। इस दौरान उपस्थित

आदिवासियों ने मुख्यमंत्री, वन मंत्री व कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया। जिसमें बताया कि वर्ष 2005 से वनभूमि पर काबिज दावेदारों का जब तक अंतिम निराकरण नहीं हो जाता, तब तक उन्हें बेदखल न किया जाए एवं फसल बोवने की अनुमति दी जाए। वन विभाग द्वारा पट्टे धारियों को ट्रेक्टर से जुताई, बुआई करने से न रोका जाए, ग्राम उपखंड एवं जिला वनाधिकार समिति द्वारा निरस्त किए गए सभी दावों पर शीघ्र ही पुनः सुनवाई की जाए। इसके अलावा अन्य मांगें रखी गईं। इस दौरान जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव, खमरिया सरपंच शिवराज सिंह, देशराज सिंह सहित विभिन्न गांव से आए आदिवासी मौजूद थे। रेंजर देवेंद्र गुर्जर का कहना है कि पूरे प्रदेश में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी को लेकर तेंदूखेड़ा क्षेत्र में भी अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

### कलेक्टर ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने के लिए विभागों की समीक्षा में दिए निर्देश

# राहत प्रकरणों में पीडितों को शीघ्र सहायता मुहैया करवाई जाए

- जरूरतमंद मरीजों को इलाल के लिए एयर एंबूलेंस के माध्यम से बाहर भेजे जानें की समस्त कार्यवाही करे सीएमएचओ
- चिन्हित जीर्ण शीर्ण भवनों को डिसमेंटल करनें की कार्यवाही की जाए,
- अनुविभागीय अधिकारी आश्रय स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

बुधवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने के लिए संबंधित विभागों द्वारा की जा रही पूर्व तैयारी की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निकायों में एवं जनपद पंचायत स्तर पर संभावित बाढ़ एवं अतिवृष्टि के लिए की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य, विद्युत, घाटों पर वाटर लेवल मार्किंग आदि की समीक्षा की ओर अधिकारियो को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में जर्जर शासकीय एवं अशासकीय भवनों को चिन्हित कर जीर्ण शीर्ण भवनों

को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि चिन्हित किए गए भवनों में से जीर्ण शीर्ण भवनों को डिस्मेंटल करवाया जाए साथ ही जिन भवनों की मरम्मत की गई हो उन भवनों की भी दोबारा जांच कर मजबूती सुनिश्चित कर ली जाए। बैठक में निकायवार सभी सीएमओ ने जानकारी दी की निकाय स्तर पर भवनो का चिन्हांकन कर लिया गया है। समस्त भू स्वामियों एवं शासकीय विभागों को नोटिस के माध्यम से सूचित भी किया जा चुका है। पिपरिया, बनखेड़ी माखनगर अंतर्गत जीर्ण शीर्ण भवनों को तोड़ने की कार्यवाही भी की गई है। कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए की आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर सुनिश्चित करें कि किसी भी जर्जर भवन में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन न किया जा रहा हो।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में आपात स्वास्थ्य चिकित्सा के जरूरतमंद मरीजों को एयर एंबुलेंस के माध्यम से बाहर भेजे जाने के लिए सीएमएचओ आवश्यक कार्यवाही करें। इसके लिए पर्याप्त प्रचार करवाया जाए साथ ही निजी स्वास्थ संस्थानों के साथ भी समन्वय स्थापित कर उन्हें इस योजना के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। उन्होनें कहा कि नागरिकों को योजना के बारे में जागरुक करनें के लिए व्यापक रूप से प्रचार प्रसार भी करवाऐं। जिससे मरीजों को समय पर इस बहुउपयोगी योजना का लाभ प्राप्त हो सके। यह योजना गंभीर बीमारी वाले मरीजों को समय पर उचित इलाज उपलब्ध करवाये जानें में जीवनरक्षक साबित होगी। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि वर्षा

**पुल पुलिया पर रखें विशेष निगरानी, ओवरफ्लो के समय चौकसी के लिए निर्धारित करे कर्मचारी को ड्यूटी**

पुल पुलिया पर अतिवृष्टि के समय ओवरफ्लो पर विशेष निगरानी रखी जाए। कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित किया कि आगामी 3 दिवसों में जीर्ण शीर्ण भवनों के डिमोलिशन की कार्यवाही करना प्रारंभ करें। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा निर्देशित किया गया कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि कोई भी जर्जर शाला एवं आंगनवाड़ी भवनों का संचालन न किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी निर्माण विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सड़कों की मरम्मत आदि भी समय-समय पर संबंधित निर्माण विभाग करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही सड़को पर अव्यवस्थित निर्माण सामग्री एवं अन्य अवरोधों को भी हटाया जाए। पुल पुलिया पर निर्धारित भार से अधिक भार वाले वाहनों को प्रतिबंधित किया जाए तथा हाइट बैरियर एवं बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक जाने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए की ऐसे पुल एवं पुलिया जिन पर से वाहनों का आवागमन पूर्णत प्रतिबंधित किया ना हो उसका सत्यापन कर प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी संबंधित विभाग अपने अंतर्गत आने वाली संरचना एवं भवनों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें।

काल को दृष्टीगत रखते हुए डेंगू एवं मलेरिया के मच्छरों की रोकथाम के लिए भी स्वास्थ्य विभाग निरंतर सर्वे कर लार्वा विनिष्ठिकरण की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग आपदा के समय राहत पहुंचाने का प्रमुख घटक होता है इसलिए संपूर्ण स्वास्थ्य अमला एक्टिव मोड में रहे।

**राहत प्रकरण में पीड़ितों को शीघ्र सहायता उपलब्ध करवाई जाए**

बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि राहत प्रकरणों में पीड़ित व्यक्ति को शीघ्र शासन द्वारा जारी राहत सहायता एवं राशि उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों में सहानुभूति पूर्वक परिवार के सदस्यों से मिलकर उन्हें सहायता उपलब्ध करवाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ अमले को ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए एक्टिव मोड में रखें। किसी भी स्थिति में पीड़ितों को सहायता पहुंचाई जाने में विलंब ना हो इस बात का ध्यान रखा जाए।

## श्री मदन मोहन सरकार मंदिर में ,रजत हिंडोला प्रांण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित

**सिरोंज।** देवाधिदेव श्री मदन मोहन सरकार के सिद्ध चैतन्य दरबार में नवीन रजत हिंडोला चल प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बुधवार से प्रारंभ हो गया प्रथम दिन गणेशादि देवताओं का पूजन-पाठ, श्री मदनमोहन सरकार के महामंत्र का जाप, गोपाल सहस्त्रनाम एवं विष्णु सहस्त्रनाम पाठ तथा श्री सरकार के नवीन रजत हिंडोला का घृताधिवास, शर्कराधिवास, पुष्पाधिवास,

फलाधिवास, मिष्ठानाधिवास, पंच-पल्लवाधिवास किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण बढ़ा चढ़कर भाग ले रहे हैं बड़े ही भक्ति भाव से आयोजन सरकार के दरबार में संपन्न होते हैं। सुबह शाम सरकार की विशेष आरती के साथ अलग-अलग व्यंजनों का भोग भी लगाया जाता है।

## एक पेड़ माँ के नाम के तहत स्कूल में किया गया पौधारोपण

**नर्मदापुरम।** पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए नगर के एक स्कूल में पौधारोपण किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेत्री, महिला मोर्चा पूर्व अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता तोमर, विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् डॉ. मयंक तोमर एवं लायंस क्लब के समाजसेवी हरि सिंह चौहान विशिष्ट अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम तहत पौधारोपण किए.तथा पर्यावरण सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने हेतु डॉक्टर मयंक तोमर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन तथा संबोधन किया तथा अपने विचारों को पर्यावरण बचाने हेतु अपनी संवेदनशीलता को व्यक्त किया. मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेत्री, महिलामोर्चा पूर्व अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता तोमर, विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् डॉ. मयंक तोमर एवं लायंस क्लब के समाजसेवी हरि सिंह चौहान सम्मानित विशिष्ट अतिथियों का शाला संचालिका श्रीमती आरती भावसार तथा बृजेश गोस्वामी ने आभार व्यक्त किया है. कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती रानू यादव एवं एकता पुरोहित, देवेंद्र शर्मा, भारती बावरिया ,नीतू मीना ,आरती चौरे, शिवानी राठौर ,रक्षा पटेल , कविता राठौर, रईसा कुरैशी, किरण साहनी , मीना राठौर, रितु पटेल, आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे

## पीएम जनमन योजना में किए गए की कार्यों की जांच करने पहुंचा केंदीय दल

**गंजबासौदा।** बुधवार को केन्द्रीय जांच दल के सदस्यों ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत किए गए कार्यो के संबंध में कई ग्रामों में भ्रमण का किया। विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पिपरिया दौलत के ग्राम नया गांव एवं ग्राम पंचायत भाटनी के ग्राम फतेहपुर आजाद नगर आदि का भ्रमण किया गया। भ्रमण में ग्राम फतेहपुर आजाद नगर आदिवासी वस्ती में पीएम जनमन योजना अंतर्गत चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं जैसे आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड , समग्र आई डी , जाति प्रमाण पत्र, खाद्य पात्रता पर्ची बनाया जाना एवं उज्ज्वला कनेक्शन, पीएम जनमन का आवास, पेयजल हेतु नलजल योजना आदि का लाभ प्रदान करने के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जिसमें सभी पात्र हितग्राहीयो द्वारा पीएम जनमन योजना अतंर्गत लाभ प्राप्त किया जाना पाया गया है। आदिवासी वस्ती ग्राम नया गांव में लगभग 44 परिवार निवासरत है। जिनके द्वारा आवास योजना का लाभ प्राप्त किया गया एवं आजादनगर में आदीवासी वस्ती में लगभग 48 परिवारों द्वारा पीएम जनमन योजना एवं आवास योजना का लाभ प्राप्त किया गया है। सभी को पीएम जनमन योजना के तहत चलाई जा रही विभिन्न योजना में पात्रता अनुसार लाभ दिया जाना मौके पर पाया गया। उपस्थित केंद्रीय दल द्वारा योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के संबंध में अपनी संतुष्टि जाहिर की।

# अवैधानिक मत्स्याखेट पर प्रशासन की कार्यवाही 60 किलो मछली जप्त कर की गई नीलामी

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

जिले में बंद ऋतु के दौरान मछलियों के प्रजनन काल में अवैधानिक मत्स्याखेट, विक्रय एवं परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध के निर्देशों के पालन को लेकर प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। तत्संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार मछली पालन विभाग के गठित दल ने गत दिवस इटारसी मछली बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाजार में अवैधानिक रूप से रखी गई लगभग 60 किलो मछली को जप्त कर नीलामी की कार्रवाई की गई। नीलामी से प्राप्त राशि 2500 रुपए की राशि शासन के मद में चालान के माध्यम से जमा कराई गई।

इस दौरान आस-पास के सभी मत्स्य विक्रेताओं को जारी अधिसूचना के संबंध में अवगत कराया गया कि बंद ऋतु ( 16 जून से 15 अगस्त ) के दौरान मछलियों के प्रजनन काल में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं परिवहन दंडनीय अपराध है। अधिसूचना के उल्लंघन की दशा में मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा 5 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

## नाप-तौल उपकरणों की जांच में अनियमितता पाए जाने पर फुटकर विक्रेताओं पर हुई कार्रवाई

**नर्मदापुरम.** कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी के निर्देशानुसार जिले के हाट बाजारों एवं फुटकर फल-सब्जी विक्रेताओं द्वारा उपयोग में लाए जा रहे नाप-तौल उपकरणों की सघन जांच की गई। इस कार्रवाई के तहत श्री सलिल ल्यूक, सहायक नियंत्रक, विधिक मापविज्ञान, नर्मदापुरम एवं राहुल खिड़वरकर, सहायक ग्रेड-3 द्वारा विगत सप्ताह नर्मदापुरम शहर के विभिन्न स्थानों पर फुटकर विक्रेताओं के नाप-तौल उपकरणों की जांच की गई।

जांच के दौरान कई विक्रेताओं द्वारा नियमों का पालन न करते हुए अनधिकृत पत्थर के बाट उपयोग में लाए जाने पर उन्हें तुरंत पत्थर के बाट का उपयोग बंद करने तथा सही और प्रमाणित तौल करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान नियम विरुद्ध पाए जाने पर पांच अभियोजन प्रकरण भी दर्ज किए गए हैं, जिनमें विधिक मापविज्ञान अधिनियम के अंतर्गत आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

**मेट्रो एंकर** लोक निर्माण विभाग ने चलाया वृहद पौधारोपण अभियान.

# नर्मदापुरम जिले में 1755 पौधे रोपित किए

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

पर्यावरण संरक्षण के लिए लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में चलाए जा रहे वृहद पौधारोपण अभियान के तहत 01 जुलाई 2025 को चिनार पार्क, भोपाल में लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने पौधारोपण कार्यक्रम को एक अति महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य के रूप में संबोधित किया।

मंत्री श्री सिंह ने अपने संबोधन में 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को चरितार्थ करते हुए

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मार्गदर्शी सिद्धांत बताए एवं प्रत्येक जिले को कम से कम 1200 पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पौधों की निगरानी सेटेलाइट के माध्यम से की जाएगी ताकि पौधारोपण की सतत देखरेख सुनिश्चित की जा सके।

इसी क्रम में नर्मदापुरम जिले में लोक निर्माण विभाग ( भवन/पथ ), लोक निर्माण विभाग ( भवन ), सेतु उपसंभाग तथा एम.पी.आर.डी.सी. नर्मदापुरम की टीमों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। जिले में सर्किट हाउस रेस्ट हाउस/पी.आई.यू. द्वारा निर्मित भवनों एवं विभिन्न मार्गों पर पौधारोपण कार्य संपादित किया गया। पौधा रोपण अभियान के तहत लोक निर्माण विभाग ( भवन/पथ ) द्वारा 1375 पौधे, लोक निर्माण विभाग ( भवन ) द्वारा 150 पौधे, सेतु उपसंभाग नर्मदापुरम द्वारा 120 पौधे, तथा एम.पी.आर.डी.सी. नर्मदापुरम द्वारा 110 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 1755 पौधों का सामूहिक रूप से सुरक्षित वृक्षारोपण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

## विश्व हिंदू परिषद एं बजरंगदल की तेंदूखेड़ा प्रखंड बैठक हुई

**तेंदूखेड़ा!** विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल की दमोह जिला के तेन्दूखेड़ा प्रखण्ड की बैठक संपन्न हुई बैठक में जिला मंत्री शम्भु विश्वकर्मा , जिला संयोजक गोलू चौबे की उपस्थिति रही साथ में प्रखंड मंत्री उदय सेन, अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, संयोजक तेजी ठाकुर, दमोह नगर मंत्री देवेश ठाकुर उपस्थित रहे । जिला मंत्री द्वारा बैठक में बजरंगदल के चल रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी गई और संगठन विस्तार हेतु नवीन ग्राम समितियों की घोषणा की गई जिला संयोजक द्वारा बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा की जानकारी दी है संगठन विस्तार हेतु प्रखण्ड के ग्राम समितियों की घोषणा हुई जिनमें बगदरी, अजीतपुर, दलपतखेड़ा, खमरिया, नरगुवा, तेजगढ़, बम्हौरी, झरौली, सहजपुर, पतलौनी, बादीपुरा, सैलवाड़ा, पांजी, जरुआ, हरई, समनापुर ,रिचकुड़ी समितियों की घोषणा हुई ।

# गिरनार जी शिखर पर भगवान नेमिनाथ के निर्वाण लाडू के अधिकार को लेकर अधिषेक,पूजा में पहुचे जैन श्रद्धालु

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

गिरनार जी शिखर पर भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू व पूजन करने का अधिकार दिलाने की कामना को लेकर दिगम्बर जैन बडा मंदिर एंव पंचखनी जैन मंदिर में भगवान नेमिनाथ जी की शांतिधारा अभिषेक किया गया। तो वही मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के सिरोंज क्षेत्र से हजार की संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने गिरनार पर्वत की चोटी पर पहुचकर मोक्ष के जयघोष के साथ भगवान नेमिनाथ प्रभु के मोक्ष कल्याणक पर भावपूर्ण वंदना की। इस मौके पर जैन श्रद्धालुओ ने कहा कि मोक्ष कल्याण की प्रणा वही से मिलती है। जहा प्रभु ने मोक्ष को प्राप्त किया। तो वही सिरोंज जैन मंदिर में निर्वाण लाडू चढाने की कामना को लेकर प्रमेन्द्र जैन द्वारा शांतिधारा अभिषेक सम्पन्न कराया गया। वही उन्होने कहा कि यह जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का निर्वाण दिवस है, जो गिरनार पर्वत की पांचवीं टोंक पर हुआ था।

जैन श्रद्धालुओं के लिए पवित्र तीर्थ स्थल - गिरनार जी शिखर पर भगवान नेमिनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन भगवान नेमिनाथ के मोक्ष जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करने की स्मृति में मनाया जाता है। गिरनार पर्वत, जहाँ भगवान नेमिनाथ ने मोक्ष प्राप्त किया था। यह जैन श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल है। भगवान नेमिनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस, जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ जी के मोक्ष प्राप्त करने का दिन है, जो जैनियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस दिन, भक्त भगवान नेमिनाथ को याद करते हैं और उनके उपदेशों का पालन करने का संकल्प लेते हैं। गिरनार पर्वत से मोक्ष प्राप्त करने वाले भगवान नेमिनाथ का यह दिवस जैन धर्मावलंबियों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर दिल्ली से गिरनार तक 2000 किलोमीटर की 101 दिवसीय धर्म पदयात्रा 2 जुलाई को संपन्न हुई। देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने गिरनार पर्वत पर पूजा-अर्चना की।

संसार को छोडकर आत्मा में विलीन हुए थे भगवान नेमिनाथ - वहीं मुनि श्री ने कहा कि आज के ही दिन नेमिनाथ भगवान ने संपूर्ण संसार को छोड़कर आत्मा में विलीन हो गए थे। जिसे हम मोक्ष कहते हैं। प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के समय में लोगों को खाना, पीना, रहना कुछ भी नहीं आता था। उन्होंने चार पुरुषार्थ क्रिया, अर्थ, काम, मोक्ष के संबंध में बताया व मोक्ष पुरुषार्थ दिखाया। कमाना, उसका उपयोग कैसे करना यह भी आदिनाथ प्रभु ने बताया था। वही उन्होने कहा धर्म कैसे करना, क्या फल मिलेगा यह भी आदिनाथ प्रभु ने बताया था। चचेरे भाई ने षड्यंत्र रच कर जब नेमिनाथ की बारात जा रही थी तो मवेशियों व जानवरों को एक जगह पर बंधवा दिया था और उनकी चित्कार सुनकर नेमिनाथ ने अपना रथ रुकवाया और कारण पूछा तो उन्होंने उन सभी मवेशियों एवं पशुओं को बंधन से मुक्त कराया और मन में विचार आया कि में भी बंधन में बनने से मुक्त होऊ और उन्होंने मोक्ष का मार्ग चुना । धर्मपुरुषार्थ किया। गिरनार पर्वत पर दीक्षा ली। मोक्ष प्राप्त होने के बाद संसार में वापस नहीं आते हैं। बंधन मान लेते हैं जो कभी टूटता नहीं । आपने कहा कि अभिषेक के समय जिनेंद्र प्रभु की जय जयकार बोले ,ताली नहीं बजाए, ताली बजाने से जीव हिंसा होती है। राजनीतिक सभाओं में ताली बजती है ,धर्म सभा में ताली ना बजाए पाप का नाश होना बताते हुए धर्म मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होने कहा कि उपवास के दिन आरम, शारम ना करें । धर्म, ध्यान ,आराधना करें। त्याग तपस्या के दिन सोए नहीं उसे जीतने के लिए जागे। हम भी भगवान बनना चाहते हैं। आलोचना पाठ ,प्रतिक्रमण करें। नेमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस आप सभी ने उत्साह पूर्वक मनाया। तीर्थंकर प्रवृत्ति का लक्ष्य रखकर भगवान बने। कल्याणक हर किसी का नहीं महापुरुषों और भगवान का मनाया जाता है।

## मवेशियों से फसल बचाने की गुहार लगाने एसडीएम के पास पहुंचे किसान

# अधिकांश गौशालाएं कागजों में हो रही संचालित, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सरकार के द्वारा बदलाव के लिए कई कदम उठाए जा रहा है पर जिनके कंधों पर उनको मूर्ति रूप देने व व्यवस्थित रूप से चलने की जिम्मेदारी होती है इनकी अनदेखी के कारण व्यवस्थित रूप से काम नहीं हो पा रहा है। गौशालाएं होने के बाद भी मवेशियों को दर-दर भटकना पड़ रहा है भूख प्यास से भी तड़प रही है परन्तु इनकी तरफ किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। सड़कों पर इनकी संख्या अधिक होने से रात्रि में दुर्घटनाएं भी हो रही है झुंड के झंडे इनके

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों नजर आ रहा है यह हालत तब बना रहे हैं जब नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में गौशालाओं का संचालन हो रहा है। मवेशियों की संख्या को देखते हुए से लग रहा है कि अधिकांश गौशालाएं केवल कागजों में संचालित हो रही है इनको जांच करने के लिए कोई नहीं पहुंच रहा है। जबकि शासन से करोड़ों रुपए का फंड भी गौशालाओं को संचालित करने के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है इसके बाद भी मवेशियों की संख्या शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में जगह-

जगह आवारा रूप से अधिक संख्या में नजर आ रही है सड़कों पर मवेशियों की धमा चौकड़ी होने के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही है जानवर भी घायल हो रहे हैं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र की गौशालाओं में मवेशियों को रखने काम ज्यादातर जगह पर नहीं किया जा रहा है इस वजह से ऐसे हालात बन रहे हैं। जिम्मेदारी अधिकारी कई इनका निरीक्षण करने जाते ही नहीं है इनकी रिपोर्ट भी कागजों में ही लग जाती है। सरपंची बदल गई पर पुराने सरपंच कई जगह गौशालाओं का संचालन कर रहा है इस कारण विवाद बना हुआ है इसकी सजा मवेशियों को भुगतनी पड़ रही है क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं।

### मवेशियों को गौशाला में रखवाने दिया आवेदन

गौशाला होने के बाद भी गांव के मवेशियों को इसमें रखने का कार्य नहीं किया जा रहा है इससे परेशान होकर किसानों ने बुधवार को बांसखेड़ी एवं चाठोली के ग्रामीणों ने गौशालाओं में मवेशियों रखवाने के लिए आवेदन एसडीएम को दिए वहीं बांसखेड़ी के बड़ी संख्या में किसानों ने

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह के साथ एसडीएम हर्षल चौधरी को आवेदन देते हुए कहा कि आवारा मवेशियों से हमारी फसलों को बचाने के लिए कदम उठाए गौशाला में इनको रखवाया जाए जहां पर भूसा की व्यवस्था हम लोग कर देंगे पर इनको रखने का कार्य गौशाला में हो जाए जिससे कि हमारे फसले मिटाने से बच जाए अभी फसले खेतों में छोटी-छोटी नजर आ रही है इनको मवेशियों के द्वारा चट किया जा एकदम से इनकी संख्या अधिक हो जाती है उसके कारण से जरा में नष्ट हो जाती है बड़ी मुश्किल से फसल इनसे बचा पा रहे हैं। इसके बाद एसडीएम ने तत्काल प्रभारी जनपद सीईओ से बात करके दोनों ग्रामों की गौशालाओं में मवेशियों को रखवाने के साथ संपूर्ण इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।इनमें किसी भी तरह की लापरवाही ना हो इसके अलावा उन्होंने पंचायत सचिव को भी निर्देशित करने की बात कहिए ग्रामीणों ने भी हर संभव सहायता और मदद का भरोसा दिया है ।अब देखना है इसके बाद कुछ बदलाव होगा या फिर सड़कों पर मवेशियों की संख्या तरह रहेगी दूसरी ओर भूख प्यास के कारण मवेशी भटक रहे हैं। प्रशासन चाहे तो इस तरह की तस्वीरें देखने को ना मिले इसके लिए मोहन मोहन सरकार के द्वारा गोपालन प्रोत्साहन योजना के अलावा गौशाला संचालकों के लिए राशि भी बढ़ा दी गई है फिर भी इनको गौशालाओं में रखने का काम अधिकांश गौशाला में नहीं किया जा रहा है। विकासखंड में जितनी भी गौशाला है संचालित और इनकी बारीकी से जांच पड़ताल प्रशासन धरातल पर कर ले तो इनकी पोल भी खुल जाएगी ।

**इनका कहना है**

गौशालाओं की जांच भी करवाएंगे और जितने भी मवेशी गौशालाओं में रख सकते हैं उनको रख पाएंगे इनका संचालन व्यवस्थित रूप से हो इसके निर्देश भी दिए हैं ।

–हर्षल चौधरी एसडीएम

# 72 वर्षीय व्यक्ति को मुरवास पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुरवास पुलिस ने महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में 72 वर्ष की बुजुर्ग को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 72 वर्षीय आरोपी कमर लाल पिता परसा नायक निवासी कंजी टपरा ( वांसखेड़ी अजीत ), थाना सिरोंज को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।

दिनांक 29.05.2025 को एक पीड़िता द्वारा थाना मुरवास में बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई गई। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 69/25 अंतर्गत धारा 64( 1), 351( 3 ) बीएनएस तथा 3( 1)( 2), 3( 1)( 2), 3( 2)( 1 ) एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई। उक्त गंभीर प्रकरण को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के

निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी उमेश तिवारी ( अतिरिक्त प्रभार लटेरी ) के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

# आयुष्मान योजना में विदिशा जिला पिछड़े नहीं, शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाएं - कलेक्टर

सिरोंज । कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग की आयुष्मान योजना, संजीवनी क्लीनिक और कायाकल्प अभियान तहत क्रियान्वित कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने विशेष कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तहत जिले में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आयुष्मान योजना में प्रगति कम पाए जाने पर असंतोष जाहिर करते हुए आयुष्मान इंचार्ज को नोटिस जारी करने के निर्देश बैठक में दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं, आयुष्मान कार्ड बनाए जाने में जिला पिछड़े नहीं इसका विशेष ध्यान रखें। जिले में आशा कार्यकर्ता, एएनएम, सीएससी केंद्र और जीआरएस द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि आयुष्मान कार्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को टीएल मीटिंग में सम्मानित किया जाएगा और इस कार्य में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए उन्होंने आशा कार्यकर्ता और एएनएम को आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि जिले में आयुष्मान कार्ड का लाभ लेकर चिन्हित अस्पतालों में कितने मरीजों को उपचार मिल रहा की जानकारी भी टीएल मीटिंग में लेकर आएं। इस दौरान उन्होंने जिले में संचालित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक उपस्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम व ग्रास आरोग्य केन्द्र की संख्या डिलेवरी पॉइंट (कुल योग 47 प्रसव केन्द्रों), एसएनसीयू, एनवीएसयू, जननी एक्सप्रेस वाहन, वाहन आपात स्थिति एम्बुलेंस-108, एनआरसी सेंटर सहित इत्यादि कार्यों की सामान्य जानकारी से मुख्य चिकित्सा में स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया। इन सभी बिंदुओं पर भी समीक्षा कर मरीजों को प्रदाय होने वाली सुविधाओं व स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए हैं।

# आधार बनवाने के लिए अब नहीं लगना पड़ेगा लाइनों में प्रशासन ने उठाया कदम, आज से 10 केंद्रो पर बनेंगे

**सिरोंज।** कई महीनो से आधार का कार्य करवाने के लिए लंबी लंबी कतारें लोगों की लग रही थी इसके बाद भी कई का काम नहीं हो पता था और इन्हें खाली हाथ मायूस होकर अपने घर इनको लौटना पड़ता था अब इनके लिए प्रशासन ने बड़ी रहता दी एक साथ-सात केंद्रों की वृद्धि आज से हो जाएगी इसके बाद आधार का काम करवाने वाले लोगों को किसी जगह पर लाइनों में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी आने वाले दिनों में और ग्रामीण क्षेत्र में आधार सेंटर प्रारंभ करने के लिए एसडीएम ने पथरिया का नाम दिया है यहां पर स्वाइन का नेटवर्क उपलब्ध इसलिए इस केंद्र को मंजूरी मिल सकती है क्योंकि इसी नेटवर्क पर आधार का कार्य होता है। पिछले 3 महीने से आधार केंद्रों की कमी के कारण नगर से लेकर ग्रामीण के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था सुबह 7 बजे यहां घरों का कामकाज छोड़कर कथा पहुंच जाते थे । इन सबके लिए प्रशासन ने बड़ी राहत दी है एसडीएम हर्षल चौधरी ने प्रयास किया उसको सफलता भी मिल गई। वहीं आधार बनवाने में जनता को रही परेशानी की खबर को मीडियाकर्मियों के द्वारा लगातार उठाकर प्रशासन के सामने लाने का कार्य किया जा रहा था आज उसका फायदा क्षेत्र के लोगों को मिलेगा एक साथ आज से सात केंद्रो की बढ़ोतरी हो जाएगी कुल 10 केंद्रो पर आधार बनवाने त्रुटि आदि ठीक करने का काम होगा इसके बाद लोगों को लाइनों में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी कम केंद्र होने के कारण यह हालत बना रहे थे ।

# जमीयत उलमा ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, मुस्लिम समाज से जुड़े विषयों पर ध्यान देने की अपील

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जमीयत उलमा ज़िला विदिशा के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को ज़िला कलेक्टर अंशुल गुप्ता से भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें मुस्लिम समाज से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया। ज्ञापन में वक्फ़ की कृषि भूमि पर हो रहे अनियमित नामांतरण और विक्रय की निष्पक्ष जांच कर उन्हें वक्फ़ बोर्ड के नाम दर्ज कराने,

कब्रिस्तानों की ज़मीन का सीमांकन एवं चारदीवारी कर अंतिम संस्कार की व्यवस्था को व्यवस्थित करने, अंतरधार्मिक संबंधों के मामलों में युवाओं के विरुद्ध हो रही असंतुलित कार्रवाई से जुड़े प्रकरणों में प्रशासनिक निष्क्रियता पर विचार करने की आवश्यकता जताई गई।

, सिरोंज निवासी जुनैद की मृत्यु के प्रकरण में न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने एवं प्रभावित परिवार को सहायता प्रदान करने, मोहर्रम के अवसर पर ताज़िया जुलूसों के शांतिपूर्ण संचालन हेतु समुचित पुलिस प्रबंध करने, बकरईद के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे आपत्तिजनक संदेशों पर नियंत्रण करने आदि बिंदुओं की मांग की है।

**मेट्रो एंकर** शासकीय योजनाओं से जीवन में आएं परिवर्तन के वृत्तांत को सांझा करते हुए प्रश्नोत्तरी जबाबो ने कायल किया

# आउटरीच टीम ने भ्रमण कर जानी हकीकत, सास-बहू के जवाबों से नतमस्तक !

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा दिल्ली से ग्यारह सदस्यीय आई मीडिया आउटरीच की टीम एवं वरिष्ठ अधिकारीयों ने आज विदिशा के प्रवास दौरान जिले की चिंहित सहरिया जनजाति समुदाय के जीवन को परिवर्धित करने हेतु संचालित विशेष योजनाएं के हितलाभ से लाभान्वितों की हकीकत का आंकलन संवाद कर जाना है।

दल के सदस्यों ने पीएम जनमन ( प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान ) विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण की दिशा में एक दूरदर्शी पहल विदिशा जिले में चिह्नित सहरिया जनजाति वर्ग के नागरिकों को 11 मूलभूत सुविधाएं सबको पक्का घर, हर घर नल से जल, गांव-गांव तक सड़क, हर घर बिजली, शिक्षा के लिए हॉस्टल, कौशल विकास, दूरस्थ गांवों तक मोबाइल मेडिकल यूनिट, सबको पोषण, उन्नत आजीविका, दूरस्थ गांवों तक मोबाइल नेटवर्क, सशक्त जनजाति समृद्ध होता भारत की निहित बिंदुओं से लाभान्वितों के जीवन में आएं परिवर्तन को जाना है।

दल के सदस्यों ने बासौदा विकासखंड के नयागांव और आजाद नगर में सहारिया जनजाति समुदाय के बहुमुखी विकास को देखा ही नहीं वरन उनसे संवाद किया

है।

### हाजिर जवाब

नयागांव में पीएम जन आवास में रह रही पचास वर्षीय सास फूल बाई और बहू नेहा से मिडिया टीम के सदस्यों ने जिज्ञासा वंश प्रश्नोत्तरी हाजिर जबाबों को सुनकर नतमस्तक हो गए।

बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने अनुविभाग अन्तर्गत संपादित कार्यो को साझा किया मीडिया आउट रीच की टीम एवं वरिष्ठ अधिकारीगणों के साथ, पीएचई, महिला एवं बाल विकास, लोक सेवा प्रबन्धक, डीपीसी, डीएसओ, सीएमएचओ के अलावा जनपद सीईओ श्रीमती तपस्या जैन, तहसीलदार श्रीमती सविता पटेल समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

### स्वास्थ्य शिविर

पीएमजनमन कार्यक्रम अंतर्गत जन जाति समुदाय जिनमें सहरिया, बैगा, भारिया एवं अन्य आदिवासी जनजातीय समाज जो कि अन्य समाजों की अपेक्षा में काफी पिछड़े माने जाते है उनको मिलने वाली सभी विभागों की योजनाओं के लाभ की जानकारी लेने भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों एवं पत्रकार समूह का दल बासौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत पिपरिया दौलत के ग्राम नया गांव टपरे एवं ग्राम पंचायत भाटनी में पहुंचकर ग्रामीणों के घर घर पर भ्रमण कर हितग्राहियों से चर्चा कर उनके ग्रामों की सड़के, आंगनवाड़ी केंद्र, पीएम कुटीर, स्कूल एवं मिलने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलने बाली स्वास्थ्य सेवाएं , बनाए गए आयुष्मान भारत योजना के कार्ड, जेएसबाय पीएसबाय योजना, गर्भवती एवं बच्चों को लगने वाले टीके एवं जांच, पीएम जनमन अंतर्गत जनजाति चिन्हित ग्रामों में संचालित एमएमयू बैन एवं स्वास्थ्य दल के साथ सभी विभागों की मिलने वाली योजनाओं के लाभ उन्हें समय पर मिलता है के संबंध मे जानकारी ली दोनों ग्रामों में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार के निर्देशन में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रमेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एमएमयू बैन एवं चिकित्सा अधिकारी, सीएचओ, एएनएम, आशा सुपरवाइजर, आशा कार्यकर्ता की ड्यूटी लगाकर स्वास्थ्य शिविर लगाकर स्वास्थ शेवाएं प्रदान की भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा एमएमयू टीम द्वारा अपना कमर दर्द एवं मांसपेशी की इंफ्रा लैंप मशीन द्वारा सिकाई करवाई एवं कार्यक्रम की सराहना भी की गई।

### 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में धमाका

# मारे रिकॉर्ड तोड़ 9 छक्के, रच दिया इतिहास, सीरीज में 1.0 की बढ़त

**नॉर्थम्पटन, एजेंसी**

**वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे -19 यूथ वनडे में जबरदस्त पारी खेली। 14 साल के इस युवा बल्लेबाज ने मात्र 31 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 चौके और रिकॉर्ड 9 छक्के शामिल थे। उनकी विस्फोटक पारी के दम पर भारत ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में इंग्लैंड को 4 विकेट से हरा दिया और पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।**

सूर्यवंशी की पारी में छह चौके और नौ छक्के शामिल थे। दरअसल, सूर्यवंशी द्वारा लगाए गए नौ छक्के अंडर-19 वनडे में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सबसे ज़्यादा छक्के हैं। उन्होंने मनदीप सिंह के आठ छक्कों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सूर्यवंशी ने पहले दो मुकाबलों में 40 के पार पहुंचने के बाद अर्धशतक से चूकने का अफसोस इस मैच में दूर कर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर शुरुआत से ही हमला बोला। तीसरे ओवर में उन्होंने सेबास्टियन मॉर्गन को लगातार दो छक्के लगाए, फिर अगले ओवर में दो और छक्कों के साथ एक चौका जड़ा। छठे ओवर में जेम्स मिंटो को एक ही ओवर में तीन छक्के और एक चौका लगाकर 23 रन बटोरे। सूर्यवंशी जब 8वें ओवर में आउट हुए, तब तक भारत ने 111 रन का पीछा कर लिया था। हालांकि इसके बाद भारत की पारी कुछ समय के लिए लड़खड़ाई और टीम 24वें ओवर तक 199/6 हो गई थी। लेकिन तीन विकेट लेने वाले ऑलराउंडर कनिष्क चौहान (नाबाद 43) और आरएस अम्ब्रिश (नाबाद 31) ने सातवें विकेट के लिए 75 रनों की अटूट साझेदारी कर टीम को 33 गेंद बाकी रहते जीत दिला दी। इससे पहले इंग्लैंड ने कप्तान थॉमस रियू (नाबाद 76) और बेन डॉकिन्स (62) की पारियों की मदद से 268/6 का मजबूत स्कोर बनाया था। डॉकिन्स और इसाक मोहम्मद (41) ने पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दी थी। बाद में रियू की तेजतर्रार पारी ने स्कोर को तेजी से बढ़ाया

### पेट के दर्द के कारण नोवाक को दो बार लेनी पड़ी डॉक्टर की मदद

# जोकोविच की संघर्षपूर्ण जीत गॉफ -ज्वेरेव पहले दौर में बाहर

**लंदन, एजेंसी**

**नोवाक जोकोविच ने पेट की समस्या के बावजूद चार सेट तक चले मैच में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई लेकिन तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट और तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ पहले दौर में बाहर हो गए। जोकोविच को पहले दौर के मैच में पेट की समस्या के कारण दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी लेकिन आखिर में वह एलेक्जेंडर मुलर को 6-1, 6-7 (7), 6-2, 6-2 से हराने में सफल रहे।**

रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने बाद में कहा, ''मैं 45 मिनट तक पेट की समस्या से परेशान रहा लेकिन डॉक्टरों की चमत्कारिक गोलियों से मैं अपनी ऊर्जा वापस पाने में सफल रहा।'' ज्वेरेव को पहले दौर में 72वीं रैंकिंग वाले आर्थर रिडरक्नेच से पांच सेटों में चार घंटे 40 मिनट में 7-6 (3), 6-7 (8), 6-3, 6-7 (5), 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। रिडरक्नेच का ऑल इंग्लैंड क्लब में 1-4 का करियर रिकॉर्ड था और वह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में 18 बार तीसरे पिछले वर्ष विम्बलडन और इस साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनलिस्ट रहे सातवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेत्ती भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। उन्हें निकोलोज बेसिलशविली ने बाहर का रास्ता दिखाया। दुनिया में 126वें नंबर के खिलाड़ी और यहां क्वालीफायर बेसिलशविली अपने पिछले 31 ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में केवल एक बार चौथे दौर तक पहुंच पाए हैं। विंबलडन में मंगलवार को उलटफेर का दौर जारी रहा तथा महिला एकल में खिताब की प्रबल दावेदार गॉफ भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई। उन्हें दयाना यास्त्रेम्स्का ने 7-6 (3), 6-1 से हराया। इस तरह से विंबलडन में पहले दो दिन में 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी (13 पुरुष और 10 महिला) दूसरे दौर में पहुंचने में असफल रहे। दूसरे दिन बाहर होने वाले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ियों में 18वें नंबर के उगो हम्बर्ट, 27वें नंबर के डेनिस शापोवालोव, 28वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक और 30वें नंबर के एलेक्स मिशेलसन शामिल थे।

### ऐमा नवारो के खिलाफ हार के साथ क्विंतोवा ने विंबलडन को अलविदा कहा

दो बार की चैंपियन पेत्रा क्विंतोवा ने मंगलवार को यहां अमेरिका की ऐमा नवारो के खिलाफ हार के साथ अपने पसंदीदा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन को अलविदा कहा। चेक गणराज्य की 35 साल की क्विंतोवा को 10वीं वरीय नवारो के खिलाफ सीधे सेट में 3-6, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2011 और 2014 में यहां खिताब जीतने वाली क्विंतोवा ने सितंबर में होने वाले अमेरिकी ओपन के बाद डब्ल्यूटीए टूर को अलविदा कहने की योजना बनाई है।भावुक क्विंतोवा ने मैच के बाद कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''यह जगह मेरे लिए सबसे अच्छी यादें समेटे हुए है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने कभी विंबलडन जीतने का सपना नहीं देखा था और मैंने इसे दो बार जीता। यह बेहद खास बात है।'' क्विंतोवा ने कहा, ''मुझे विंबलडन की कमी खलेगी। मुझे टेनिस की कमी खलेगी, मुझे आप प्रशंसकों की कमी खलेगी लेकिन मैं जीवन के अगले अध्याय के लिए भी तैयार हूं।'' वाइल्ड कार्ड आमंत्रण पर यहां खेलने वाली क्विंतोवा मातृत्व अवकाश के कारण पिछले साल के टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाईं थी।क्विंतोवा ने 2011 में यहां फाइनल में मारिया शारापोवा को 6-3, 6-4 जबकि 2014 में फाइनल में युगिनी बुचार्ड को 6-3, 6-0 से हराया था।

### एशिया कप 5 से 21 सितंबर तक हो सकता है

**नई दिल्ली।** एशिया कप 5 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हो सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल 21 सितंबर को खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज और सुपर-4 फॉर्मेट के तहत एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का पहला मुकाबला 7 सितंबर को खेला जाएगा। अगर दोनों टीमें सुपर-4 में पहुंचती हैं, तो इनकी दूसरी टक्कर 14 सितंबर को हो सकती है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

# महिला टीम का शानदार प्रदर्शन, अमनजोत रोड्रिग्स ने दिलाई भारत को 24 रन से जीत

**ब्रिस्टल।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमनजोत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के अर्धशतकों की मदद से यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को 24 रन से हरा दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इस तरह से मंगलवार की रात को मिली जीत से पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है। उसने पिछले सप्ताह पहला मैच रिकॉर्ड 97 रन से जीता था।

अमनजोत (40 गेंदों पर नाबाद 63 रन) ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक लगाया जबकि रोड्रिग्स ने 41 गेंदों पर 63 रन का योगदान दिया जिससे भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद चार विकेट पर 181 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। स्पिनरों की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने टैमी ब्यूमोंट के 35 गेंदों पर 54 रन के बावजूद इंग्लैंड की टीम को 20 ओवरों में सात विकेट पर 157 रन पर रोक दिया। यह पहला अवसर है जब कोई टीम ब्रिस्टल में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को हराने में सफल रही।

जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा, ''हमने शानदार जीत हासिल की। आज हमारी पूरी टीम ने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह काबिले तारीफ है। जेमिमा और अमनजोत ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे हमारे लिए जीत का मंच तैयार हुआ।'' भारत की पारी की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (03), पिछले मैच की शतकवीर स्मृति मंधाना (13) और कप्तान हरमनप्रीत (01) सभी पावरप्ले के अंदर डगआउट में लौट गईं।

# 2036 ओलिंपिक के लिए भारत ने अहमदाबाद का नाम दिया

नई दिल्ली। भारत ने 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (कडउ) के सामने पेश किया है। मंगलवार को स्विट्जरलैंड के लॉजान में हुई बैठक में केंद्रीय खेल मंत्रालय, गुजरात सरकार और कडअ अध्यक्ष पीटी ऊषा सहित भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कडउ के सामने अपनी बात रखी। ये मीटिंग ऐसे वक्त में हुई, जब नई इंटरनेशनल ओलिंपिक काउंसिल अध्यक्ष कर्स्टी कोवेन्ट्री ने भविष्य के ओलिंपिक होस्ट बिडिंग प्रोसेस पर रोक लगा दी थी। कडउ सदस्य चाहते हैं कि मेजबान देश के चुनाव में उनकी भूमिका ज्यादा हो, इसीलिए एक वर्किंग ग्रुप बनाकर नई प्रक्रिया तैयार की जाएगी। 2036 ओलिंपिक की दौड़ में भारत अकेला नहीं है। सऊदी अरब, इंडोनेशिया, तुर्किये (टर्की) और चिली जैसे देश भी मेजबानी की दौड़ में शामिल हैं।

**कॉवेंट्री आईओसी प्रेसिडेंट बनने वाली पहली महिला हैं** पिछले साल दावेदारी पेश की थी पिछले साल एक अक्टूबर को भारत सरकार ने लेटर ऑफ इंटेंट के जरिए कडउ से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की थी। अहमदाबाद को क्यों चुना गया? भारत की तरफ से ओलिंपिक में पहली बार आधिकारिक रूप से किसी शहर का नाम दिया गया है।

**मनोरंजन**

**बॉलीवुड का कोना**

## जब विक्रांत मैसी ने हजारों में दिया था डिजाइनर कपड़ों के 1 दिन का किराया, पत्नी से पड़ी डांट

एक्टर विक्रांत मैसी का कहना है कि बॉलीवुड में पीआर बहुत मायने रखता है। अक्सर एक्टर्स से उम्मीद की जाती है कि वो सबकी उम्मीदों पर खरे उतरें। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में सिर्फ टैलेंट ही नहीं, बल्कि खुद का प्रमोशन करना और इमेज बनाना भी उतना ही जरूरी होता है।

विक्रांत ने अपने साथ हुए एक किस्से का जिक्र करते हुए बताया कि इस वजह से उनका घर का खर्च बिगड़ गया था। पब्लिसिटी के लिए भारी-भरकम डिजाइनर कपड़ों पर खर्च करना और अपनी असलियत से दूर जाना उनके लिए एक मुश्किल एक्सपीरियंस रहा। रिया चक्रवर्ती से बातचीत में विक्रांत ने कहा- ऐसे दिन आते हैं जब मैं बैठकर अपने फैसलों पर सवाल उठाता हूं। कई बार कमजोर भी पड़ जाता हूं, और 2-3 दिन तक यही सोचता रहता हूं- क्या मैं सही कर रहा हूं? क्या मुझे भी खुद को एक खास ढंग से पेश करना चाहिए? क्या मुझे भी बाहर जाकर पैपाराजी से फोटो खिंचवाने चाहिए? हर किसी का तरीका अलग होता है। और हां, ये जरूरी भी है, क्योंकि इसका एक अलग ही असर होता है। विक्रांत ने आगे कहा कि- मैंने करीब 4-5 महीने, यानी आधे साल तक कोशिश की। पार्टियों में जाना शुरू किया, कपड़े किराए पर लेने लगा, और वो इतने महंगे होते हैं। एक बार पहनने के लिए ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं।

# पैसे लेकर अमिताभ को मारा, जब पुनीत इस्सर पर लगा था आरोप, मुश्किल हुई जिंदगी

1988 में आई %महाभारत% में दुर्योधन का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर ने अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। फिल्म %कुली% में अमिताभ बच्चन के साथ एक सीन करते हुए पुनीत इस्सर से उन्हें सही में मुक्का लग गया था, जिसके बाद शहंशाह घायल हो गए थे। बताया जाता है कि इस वाकये में अमिताभ की जान जाते-जाते बची थी। इस घटना ने पुनीत के करियर को खतरे में डाल दिया था। उनके करियर में ये एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिसके बारे में दशकों से बात हो रही है। एक बार फिर उन्होंने इसे लेकर चर्चा की।

कैसे लगी थी अमिताभ बच्चन को चोट?

सिद्धार्थ कन्नन संग बातचीत के दौरान पुनीत इस्सर ने उन काले दिनों को याद करते हुए कहा, %ये बस एक एक्सीडेंट था। आप मानोगे नहीं कि वो जो फिल्म मुझे मिली थी।।। यश जौहर सर मेरे फादर साहब के दोस्त थे। यश जौहर, मनमोहन देसाई को अच्छे से जानते थे। मनमोहन जी कुछ मार्शियल आर्ट्स की वॉयस चाहते थे। तो यश जी घर आते थे और वो मुझे देखते थे। तब मैं 7-7 घंटे मार्शियल आर्ट्स करता था। उन्हें पता था

कि सुदेश जी का लड़का जो है वो मार्शियल आर्ट्स करता है। तो यश जी ने मनमोहन जी से कहा कि एक लड़का है पुनीत इस्सर, वो मार्शियल आर्ट्स करता है, आपको जो चाहिए वो करके दे देगा। यश जी मुझे मनमोहन जी के घर लेकर गए थे। केतन (देसाई) भी वहां थे। उन्होंने मुझसे पूछा क्या-क्या कर सकते हो, मैंने कहा ये कर सकता हूं। उन्होंने कहा- करके दिखाओ। मैंने करके दिखाया, आवाज निकालकर और बाकी सब। उन्होंने कहा- कमाल है। ऐसे ही मैंने नसीब फिल्म में डबिंग की थी उनके लिए। मनमोहन जी ने मुझसे पूछा था- काम करेगा? मैंने कहा था कि सर मैं तो

### अमिताभ ने कहा था...

हादसे के बारे में बात करते हुए पुनीत इस्सर ने कहा, %हम एक एक्शन सीन कर रहे थे, जिसमें हमें एक दूसरे को मुक्के मरने थे। एक कैमरा एंगल था जहां मुझे उन्हें उठाकर एक बोर्ड में देकर मारना था और फिर उन्हें उठाकर टेबल पर फेंकना था। हमने रिहर्सल की तो प्रोफाइल एंगल जो था, उसमें पीटर प्रेरा सर ने कहा कि पुनीत ये जो मार रहा है उसमें लग रहा है कि वो नहीं मार रहा है। तो अमित जी ने कहा कि पुनीत तुम इसको टच करो जरूर, मैं तो बच ही जाऊंगा। तो क्या हुआ कि मैंने जब उनको बोर्ड में मारा तो वो उसे हिट करके आगे आए। टाइमिंग कुछ गड़बड़ हो गई, वो 6 इंच आगे आ गए। मेरा हाथ जो था लग गया उनको। ये बस एक एक्सीडेंट था। उसके बाद जो हुआ वो इतिहास में दर्ज है।

**मेट्रो बाजार**

# जून में घटी यूपीआई ट्रांजेक्शन की रफ्तार मई के रिकॉर्ड के मुकाबले 1.5 फीसदी गिरावट

**नई दिल्ली।** भारत के डिजिटल भुगतान सिस्टम की रीढ़ माने जाने वाले यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यीपीआई) में जून 2025 में मामूली गिरावट देखने को मिली है। मई में रिकॉर्ड 18.68 अरब ट्रांजैक्शंस के बाद जून में यह संख्या घटकर 18.4 अरब रह गई, जो कि 1.5 प्रतिशत की गिरावट है। ट्रांजैक्शन वैल्यू की बात करें तो जून में कुल 24.04 लाख करोड़ का लेन-देन हुआ, जबकि मई में यह आंकड़ा 25.14 लाख करोड़ था यानी ट्रांजैक्शन वैल्यू में भी 4 प्रतिशत

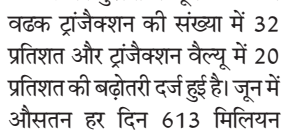

की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, साल-दर-साल तुलना करें तो जून 2024 की तुलना में जून 2025 में वढक ट्रांजैक्शन की संख्या में 32 प्रतिशत और ट्रांजैक्शन वैल्यू में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जून में औसतन हर दिन 613 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए, जो मई के 602 मिलियन की तुलना में थोड़ा ज्यादा है। हालांकि, प्रति दिन की वैल्यू ?80,131 करोड़ रही, जो मई के ?81,106 करोड़ से कम है। आईएमपीएस यानी इमीडिएट पेमेंट सर्विस में भी गिरावट देखने को मिली। मई में जहां 464 मिलियन लेनदेन हुए थे, जून में यह घटकर 448 मिलियन रह गए। ट्रांजैक्शन वैल्यू भी ?6.41 लाख करोड़ से घटकर 6.06 लाख करोड़ पर आ गई। इसी तरह, डिजिटल टोल भुगतान प्रणाली फास्टटेग में भी जून में कमी आई है।

# 12% जीएसटी स्लेब हो सकता है खत्म आम लोगों की जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही जीएसटी दरों में बदलाव कर सकती है, जिससे मिडिल और लोअर इनकम वर्ग को सीधा फायदा मिल सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सरकार उन वस्तुओं पर टैक्स कम करने पर विचार कर रही है, जो आमतौर पर रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होती हैं। फिलहाल इन वस्तुओं पर 12त्न जीएसटी लगता है लेकिन सरकार चाहती है कि या तो इन सामानों को 5त्न स्लैब में लाया जाए या फिर 12त्न का टैक्स स्लैब ही पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। इससे लोगों को जरूरत की चीजें सस्ती मिल सकेंगी। सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी परिषद इस प्रस्ताव पर अपनी अगली बैठक में फैसला ले सकती है, जो इस महीने के भीतर हो सकती है। हालांकि, बैठक से पहले कम से कम 15 दिन पहले नोटिस देना जरूरी होता है। अगर यह प्रस्ताव पास होता है, तो यह मिडिल क्लास और आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। साथ ही यह कदम देश की महंगाई को काबू में लाने में भी मददगार होगा।

**ये चीजें हो जाएंगी महंगी** साथ ही, जो महंगी चीजें जैसे कारें, तंबाकू, पान मसाला, कोल्ड ड्रिंक्स आदि पर अभी एक्स्ट्रा टैक्स (सेस) लगता है, उसे भी अब सीधे जीएसटी के रेट में ही शामिल करने की तैयारी है।

### 10 लाख की अड़ीबाजी भी कर रहा था, केस डायरी नर्मदापुरम भेजी

# जेंडर चेंज मामला : परिजनों को समलैंगिक होने की भनक लगी, तो तय करा दी मंगनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**दोस्त का जेंडर बदलवाने और दस लाख रुपए की अड़ीबाजी करने वाले मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। दरअसल, पीड़ित अपने दोस्त से शादी करना चाहता था, लेकिन दोस्त के घर वालों को उसके समलैंगिक होने की जानकारी लग गई थी। बेटे के समलैंगिक होने से परिवार के लोग तनाव में आ गए और उन्होंने अपने बेटे की शादी तय करा दी थी। बताया जाता है कि उसकी मंगनी भी हो गई थी।**

यही बात पीड़ित को पता चली तो उसने शादी का दबाव बनाया और आरोपी ने उसे दस लाख रुपए की मांग कर दी। ताकि वह रुपए दे न सके और शादी भी हो न सके। प्रकरण नर्मदापुरम का होने के कारण गांधी नगर पुलिस ने केस डायरी नर्मदापुरम पुलिस को भेज दी है। उल्लेखनीय है कि 27 साल के युवक ने अपने दोस्त के कहने पर जेंडर चेंज करवाया था। उसका दोस्त लगातार उसका दैहिक शोषण कर रहा था। जब उसने शादी के लिए कहा तो दोस्त 10 लाख रुपए मांगने लगा। रुपए नहीं देने पर उसने रिश्ता तोड़ दिया। अब ब्लैकमेल कर रहा है। हालांकि लिंग परिवर्तन के बाद शारीरिक शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामले में यह भी एक और खुलासा हुआ है। पीड़ित ने गांधीनगर पुलिस के समक्ष बयान में बताया है कि आरोपी एक देवी की पूजा करता है और उसे वशीकरण की विद्या आती है। इसी ताकत के जरिए उसने पीड़ित को अपने वश में कर लिया और शारीरिक शोषण समेत अन्य गंभीर अपराधों को अंजाम दिया। फॉरेंसिक टीम के डॉक्टर की मौजूदगी में बुधवार को पीड़ित का बोर्ड के सामने मेडिकल हुआ।

## बेटा नहीं होने का दुख:जहर खाकर दी जान

उधर गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम हिनौती सडक में सुबह एक किसान ने शराब पीने के दौरान गेहूं में रखने वाली जहरीली गोली खा ली। उल्टियां करने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है लेकिन शुरुआती जांच में पता चला है कि किसान बेटा न होने से दुखी रहते थे। उनकी दो बेटियां हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि ग्राम हिनौती सडक निवासी कृष्ण गोपाल सिंह (45) खेती-किसानी करते थे। परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। शुरू से ही कृष्ण गोपाल सिंह को बेटे की ख्वाहिश थी। हालांकि बेटियों को ही वह अपना बेटा मानते थे लेकिन कहीं न कहीं उन्हें बेटा न होने का दुख रहता था। इसी वजह से वह अधिक मात्रा में शराब पीने लगे थे। बुधवार दो जुलाई की सुबह 8 से 9 बजे के बीच शराब पीने के दौरान कृष्ण गोपाल ने सल्फास की गोली खा ली। हालत बिगड़ने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। पड़ोसियों व रिश्तेदारों की मदद से फौरन उन्हें हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

# रिटायर्ड पुलिसकर्मी के हाथ से एटीएम कार्ड छीनकर भागा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**नीलबड़ में हुई घटना**

**रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ एटीएम में पैसे निकालने पहुंचे रिटायर्ड पुलिसकर्मी के हाथ से बदमाश ने एटीएम कार्ड झपट लिया। गनीमत रही फरियादी ने घटना के बाद अपना एटीएम बंद करा दिया, नहीं तो उनके एटीएम से आरोपी पैसे निकाल लेता। दरअसल, आरोपी एटीएम में उनके पीछे ही खड़ा था। शाम करीब 7 बजे के आसपास हुई इस घटना की शिकायत बीस घंटे बाद रातीबड़ पुलिस ने दर्ज की है।**

पुलिस के अनुसार खटलाल चौधरी (65) नीलबड़ में रहते हैं और पुलिस विभाग से रिटायर्ड हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह एटीएम में रुपए निकालने नीलबड़ चौराहा पहुंचे। वे पैसे निकाल रहे थे, उनके पीछे एक युवक खड़ा था। पैसे निकालते समय उनका एटीएम मशीन में फंस गया। हालांकि कुछ देर बाद उनका एटीएम बाहर निकल आया और वे एटीएम में हाथ रखे हुए थे, तभी एटीएम में खड़े युवक ने उन्हें बातों में उलझाया और एकाएक उनका एटीएम लेकर फरार हो गया। खटलाल चौधरी ने एटीएम में लिखे टोलफ्री नंबर पर कॉल किया और अपना एटीएम तत्काल ब्लाक कराते हुए पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने शिकायत मिलने के बीस घंटे बाद झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर

## पत्नी को विवाद के बाद घर से बाहर निकाला, लगा ली फांसी

**भोपाल।** टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पंचशील नगर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह पति पत्नी के बीच होने वाले विवाद की बात सामने आई है।

दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे परिजन आत्महत्या से पूर्व भी मृतक का पत्नी से विवाद हुआ था। विवाद के बाद उसने पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकालकर फांसी लगा ली। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मुकेश घोडके पिता बादामी घोडके (45) पंचशील नगर, टीटी नगर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। उसका पत्नी से आए दिन विवाद होता था। बुधवार शाम करीब चार बजे उसका पत्नी से विवाद हुआ। विवाद के बाद उसने पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। किसी तरह दरवाजा तोड़ने के बाद पत्नी अंदर पहुंची तो उसने पति को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। वह पड़ोसियों की मदद से पति को लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मुकेश को मृत घोषित कर दिया।

## टक्कर मारने का विरोध किया तो छात्र को बेल्ट से पीटा

**भोपाल।** ऐशबाग इलाके में स्कूटर सवार दो युवकों ने स्कूली छात्र की स्कूटर को टक्कर मार दी। छात्र ने जब इसका विरोध किया तो दोनों ने उसे बेल्ट से पीटा और हाथ में पहने कड़ा मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने छात्र की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ एक्सीडेंट और मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाला 17 वर्षीय किशोर स्कूली छात्र है। शाम करीब चार बजे वह अपने दोस्त की स्कूटर पर बैठकर एमपी नगर कोचिंग पढने जा रहा था। शाम करीब चार बजे दोनों जैसे ही सुभाष नगर खेल मैदान के पास पहुंचे, वैसे ही स्कूटर सवार दो युवकों ने उसकी स्कूटर में टक्कर मार दी। छात्र ने उनसे टक्कर मारने का कारण पूछा तो दोनों ने गाड़ी अड़ाकर रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर एक युवक ने डिग्गी में रखा बेल्ट निकाला और छात्र को पीटना शुरू कर दिया। दोस्त ने अपना स्कूटर खड़ा कर उसे बचाने पहुंचा तब तक दूसरे युवक ने हाथ में पहने हुए कड़े से उसके सिर पर हमला कर दिया। दोनों लड़कों ने जब मदद से लिए शोर मचाना शुरू किया तो स्कूटर सवार युवक धमकी देते हुए वहां से भाग निकले।

# पुलिस पहुंचने से पहले युवक ने नशे में लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बैरसिया के ग्राम डंगरौली में मंगलवार रात एक युवक ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह शराब के नशे में धुत था। मां ने डायल 100 को कॉल कर सूचना दी। पुलिस को 15 किमी का फासला तय करने में समय लग गया। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, युवक फांसी लगा चुका था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ग्राम डंगरौली निवासी रोहित मालवीय पुत्र कंछेदीलाल मालवीय (25) मेहनत-मजदूरी करता था। वह अपनी मां के साथ रहता था जबकि उसका दूसरा भाई भोपाल में रहता है। रोहित शराब पीने का आदी था। शराब पीने की लत की वजह से उसकी शादी भी नहीं हो रही थी।मां ने डायल 100 पर दी सूचना इसी वजह से पहले भी वह कई बार पेड़ पर फंदा या आग लगाकर आत्महत्या करने की धमकी दे चुका था। मंगलवार रात करीब साढ़े 10 बजे शराब के नशे में धुत रोहित ने अपनी मां से कहा कि वह

फांसी लगा रहा है। वह कमरे में चला गया। मां ने डायल 100 को सूचना दी। थाना प्रभारी वीरेन्द्र सेन ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस फौरन मौके लिए रवाना हो गई थी। थाने से गांव करीब 15 किमी दूर है। जब तक पुलिस गांव पहुंची, रोहित फांसी लगा चुका था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया था। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

# सड़क पार कर रहे मजदूर को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा पठानी और अवधपुरी के बीच पेट्रोल पंप के पास अज्ञात बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे मजदूर को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूर को एंबुलेंस एम्स लेकर पहुंची थी, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस टक्कर मारने वाले बाइक सवार की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार हरिप्रसाद पिता ननकू (45) आजाद नगर बरखेड़ा में रहते थे और मजदूरी करते थे।

मंगलवार सुबह करीब साड़े 9 बजे बरखेड़ा पठानी और अवधपुरी रोड पर पेट्रोल पंप के पास सड़क पार करते समय उन्हें बाइक सवार ने तेजी और लापरवाही से बाइक चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे के बाद हरिप्रसाद को 108 एंबुलेंस इलाज के लिए एम्स लेकर पहुंची थी।

## सब्जी खरीदने हाट जा रही महिला के हाथ से मोबाइल झपटा

**भोपाल।** कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित रिवेयरा टाउन के पास बाइक सवार बदमाशों ने महिला के हाथ से मोबाइल झपट लिया। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे के आसपास की है। घटना के समय महिला घर से सब्जी खरीदने हाट बाजार जा रही थी। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार राहुल नगर निवासी पूजा सेन (30) गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया बुधवार को हाट बाजार होने के कारण वह घर से सब्जी लेने के लिए निकली थी। वह पैदल-पैदल रिवेयरा टाउन के पास पहुंची ही थी कि मोबाइल पर पति का काल आ गया। वह मोबाइल पर बात करते हुए बाजार की तरफ जाने लगी।

**मेट्रो एंकर** केरला एक्सप्रेस और पठान कोट में हुई वारदातें

# जनरल कोच में फिर मोबाइल व पर्स चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केरला एक्सप्रेस और पठान कोट के जनरल कोच में सवार एक यात्री की जेब से कीमती मोबाइल फोन और दूसरे की जेब से नोटों से भरा पर्स चोरी हो गया। इधर सफर के दौरान कई अन्य यात्रियों के भी हजारों का सामान चोरी हुआ है। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के हरदोई का रहने वाला एहसान खान (24) पिछले दिनों केरला एक्सप्रेस के जनरल कोच में बैठकर चित्तूर से आगरा कैंट की यात्रा कर रहा था। सफर के दौरान उसे नींद लग गई थी। भोपाल रेलवे स्टेशन पर उसकी नींद खुली तो जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था।

इधर होशंगाबाद में रहने वाले राजेंद्र कुमार पठान कोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होकर इटारसी से रानी कमलापति स्टेशन की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन में भीड़ होने के कारण वह कोच के गेट पर खड़े हुए थे। ट्रेन जब मंडीदीप रेलवे स्टेशन पहुंची तो पता चला कि पैंट की जेब में रखा पर्स गायब है। चोरी गए पर्स में 10 हजार आठ सौ रुपए नकद और दस्तावेज रखे हुए थे।

इसी प्रकार नरसिंहपुर निवासी मदनलाल अहिरवार पिछले दिनों अपने परिवार के साथ बेरावल एक्सप्रेस के जरनल कोच में बैठकर सालिचौका से सीहोर की यात्रा कर रहे थे। सफर के दौरान कोच में काफी भीड़भाड़ थी। सीहोर स्टेशन आने से करीब पांच मिनट पहले पता चला कि उनकी पैंट की जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो गया है। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई गई है। दो युवकों के पर्स और पिट्ठू बैग चोरी कोल्हापुर महाराष्ट्र निवासी स्वप्निल सुनील मदनि (31) पिछले दिनों निजामुद्दीन एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में कोल्हापुर से दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उनका भोपाल स्टेशन के आसपास एक पर्स चोरी हो गया। चोरी गए पर्स में 8 हजार रुपए नकद रखे हुए थे।

इसी प्रकार प्रयागराज उत्तर प्रदेश निवासी तेज बहादुर सिंह पिछले दिनों कांचीगुड़ा बीकानेर स्पेशल ट्रेन में हैदराबाद कांचीगुड़ा से कोटा राजस्थान की यात्रा कर रहे थे। रात करीब नौ बजे ट्रेन जब इटारसी पहुंची तो वह खाना खाने के बाद अपनी सीट पर सो गए। भोपाल स्टेशन के बाद उनकी नींद खुली तो पिट्ठू बैग गायब था।

तेज बहादुर ने पूरे कोच में अपने बैग की तलाश की, लेकिन जब नहीं मिला तो उन्होंने रेलवे हेल्प लाइन पर शिकायत की। चोरी गए बैग में पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैनकार्ड, एटीएम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेन ड्राईव, इयरफोन, चार्जर और जरूरी कागजात समेत अन्य सामान रखा हुआ था। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# कार-ट्रक की टक्कर में 3 घायल वाहन चालकों पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो भाइयों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। अस्पताल में इलाज कराने के बाद फरियादी ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अनिल आसेरी (37) टीला जमालपुरा में रहते हैं और व्यवसाय करते हैं। चार दिन पहले वह अपने भाई मीत आसेरी और अन्य दोस्तों के साथ बाइक से केरवा डेम घूमने के लिए आए थे। अनिल और उनका भाई एक बाइक पर सवार थे, जबकि बाकी दोस्त दूसरी बाइकों पर चल रहे थे। शाम करीब सात बजे घर लौटते समय अनिल तेरह गेट पुलिया के आगे पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार कार चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर पीछे बैठे मीत आसेरी को गंभीर चोट आई थी। अनिल ने घायल भाई को इलाज के लिए पहले बंसल और बाद में केयरवेल अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज में व्यवस्त होने के कारण बुधवार को उन्होंने थाने जाकर कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति के घायल बरखेड़ी कला रातीबड़ में रहने वाले विनीत मीना केटरिंग का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बुधवार को करीब साढ़े तीन बजे उनके पिता करण सिंह मीना अपनी बाइक से एसबीआई बैंक नीलबड़ जा रहे थे। वह जैसे ही एमएसआर होटल के सामने पहुंचे, वैसे ही एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने उनकी बाइक में दाहिने तरफ से टक्कर मार दी, जिससे करण सिंह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। करण सिंह के सिर और शरीर में गंभीर चोट आई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे विनीत ने घायल पिता को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया और बाद में थाने जाकर टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया।


**पश्चिम मध्य रेल**

विद्युत (परियोजना) शाखा – खुली निविदा
एनआईटी नं. ईएल–जेबीपी–प्रोजेक्ट –25–पीएसएसए–1

उप मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए ऑन–लाइन के माध्यम से प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ई–निविदाए आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नही किया जाएगा। निविदा क्रमांक : ईएल–जेबीपी–प्रोजेक्ट–25–पीएसएसए–1 दिनांक 28.06.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित : पश्चिम मध्य रेलवे के उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना,जबलपुर एवं भोपाल मंडल परिक्षेत्र में 2x25 के.वी. अपग्रेडेशन परियोजनाओं के विभिन्न खंडों/स्थलों के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी), निविदा की अनुमानित लागत मूल्य (रु में) : रुपए 21,01,52,483.40/- निविदा फार्म की कीमत : निल, कार्यलय का पता : उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे,जबलपुर ग्राउंड फ्लोर,मुख्य परियोजना प्रबंधक (परियोजना), कार्यालय, रेलवे स्टेडियम के बाजु में जबलपुर 482001, बिड सिक्यूरिटी (रुपए में) :रुपए12,00,800.00/– समापन अवधि : 21 माह, निविदा जमा करने की तिथि : दिनांक 05.08.2025 (15:00 बजे तक), निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.08.2025 को (11:00 बजे तक), निविदा सूचना की पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना), जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना)
पश्चिम मध्य रेलवे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर


स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022